MUMBAI TARANG ™

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

एक मिनट में कभी जिंदगी नही बदलती है

लेकिन एक मिनट में सोच कर लिया गया फैसला

आपकी पूरी जिंदगी बदल सकता है।

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-23 ❖ मुंबई ❖ रविवार 30 मई जून से 05 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, मुंबई के महासचिव और भोजपुरी फिल्म स्टार सुदीप पांडे की मां चंदा पांडे की कोविड से निधन

पेज 5
कोरोना-सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हरकत में आए राज्य, अनाथ हुए बच्चों को कहीं पेंशन तो कहीं मुआवजे की घोषणा

पेज 7
फिल्में सही थीं... फिल्म 'साइना' और 'गर्ल

पेज 8
यास के त्रास से पीडितों को मोरारीबापू द्वारा पांच लाख की सहाय

तैयार करो इलाज का डेटाबेस !

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का निर्देश

मुंबई, पूरे विश्व में एक सदी पहले स्पेनिश फ्लू महामारी आई थी। नाक पर रूमाल बांधे हुए लोग उन दिनों फोटो में दिखाई देते थे। परंतु उस समय बीमारी की ज्यादा जानकारी नहीं थी। अब कोरोना वायरस से पूरी ताकत के साथ मुकाबला शुरू है। एक सदी के बाद दुर्भाग्य से दूसरी महामारी आई है। उन दिनों कौन-सा टीका दिया गया था? कौन-सी वैक्सीन प्रभावित है? क्या वैक्सीन देने के बाद कोरोना हुआ? वायरस में कौन-से बदलाव आए? सहित इलाज का डाटा बेस तैयार करो। यह निर्देश मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने संबंधितों को कल मेडिकल काउंसिल की दो दिवसीय परिषद को संबोधित करते हुए दिया।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि कोविड के लक्षण में बदलाव, टीकाकरण, टीका लेनेवाले व्यक्ति को अन्य बीमारियां, शरीर में तैयार होनेवाली प्रतिरोधक क्षमता का व्यवस्थित पंजीकरण करना जरूरी है। राज्य सरकार पहले से ही इस महामारी के संदर्भ में कोई भी आंकड़े नहीं छुपा रही है। लिहाजा टीकाकरण संबंधी सभी जानकारियां इकट्ठा रहने पर इसका आगे जाकर विश्लेषण करना संभव हो सकेगा।

उसका फायदा हमें भविष्य में होगा। दूसरी लहर में बड़े पैमाने पर युवाओं में संक्रमण दिखाई दे रहा है। तीसरी लहर में बच्चे संक्रमित हो सकते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में हमें बड़ी सावधानियां बरतनी होंगी, ऐसा भी उद्धव ठाकरे ने कहा।

रोग से भयंकर न हो इलाज

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि पहले के संक्रमण और अब के संक्रमण में अंतर है। वर्तमान का संक्रमण म्युटेंट हुए वायरस के कारण तेजी से फैल रहा है। मरीज का इलाज ज्यादा समय तक करना पड़ता है। रोग से ज्यादा भयंकर इलाज न हो, इस पर हमें ध्यान रखना होगा। ब्लैक फंगस भी फैल रहा है।

विभिन्न मुद्दों पर होगी चर्चा

दो दिनों तक चलनेवाली इस परिषद में कोरोना के बदलते स्वरूप, होम क्वॉरंटीन मरीजों का इलाज, बच्चों में संक्रमण, तीसरी लहर का अनुमान लगाकर तैयारी, टीकाकरण, ब्लैक फंगस का इलाज, कोविड के बाद बीमारी से जुड़े मुद्दे, प्रयोगशाला में जांच जैसे विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी। टास्क फोर्स के विशेषज्ञ और अन्य विशेषज्ञ डॉक्टर मार्गदर्शन करेंगे।

'मेरा डॉक्टर' पर मरीजों का विश्वास

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम 'मेरा डॉक्टर' संकल्पना के तहत निरंतर राज्यभर के डॉक्टरों से संवाद स्थापित कर रहे हैं। स्वास्थ्य संबंधी कोई भी परेशानी होने पर सबसे पहले मरीज अपने पैâमिली डॉक्टर के पास जांच कराने जाता है।

इसलिए पैâमिली डॉक्टर पर बड़ी जिम्मेदारी होती है। कोविड के लक्षण गुमराह करते हैं। अधिकांश लोगों में लक्षण दिखाई भी नहीं देते,

ऐसे समय पर कोरोना की पहचान करने की बड़ी जिम्मेदारी फैमिली डॉक्टर पर है। विशेषकर प्राथमिक और मध्यम अवस्था के जो मरीज हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है ऐसे मरीज घर पर ही व्यवस्थित इलाज करा रहे हैं या नहीं इसकी जिम्मेदारी आप पर है। मरीज को कब अस्पताल में भेजने की आवश्यकता है, इस पर पैâमिली डॉक्टर को विशेष ध्यान देना चाहिए।

इस अवसर पर मेडिकल शिक्षा मंत्री अमित देशमुख ने भी अपने विचार रखे।

ऑक्सीजन परिवहन की कीमत तय क्यों नहीं करती सरकार

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि राज्य सरकार ने अब तक ऑक्सीजन सिलेंडर के परिवहन की कीमत तय करने की दिशा में कदम क्यों नहीं उठाया है। हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर यह सवाल करते हुए राज्य सरकार से इस विषय पर जवाब मांगा है। इस संबंध में पेशे से वकील निशांत व्यास ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। अवकाशकालीन न्यायमूर्ति ए ए सैय्यद व न्यायमूर्ति गिरीष कुलकर्णी की खंडपीठ के सामने याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता विशाल कानडे ने कहा कि ऑक्सीजन एक जीवनावश्यक दवा है। परिवहन के साथ आक्सीजन सिलेंडर की कीमत न तय होने के चलते अस्पतालों व घरों में उपचार के लिए तरल मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाले कोविड पीड़ितों से बेतहाशा कीमत वसूल रहे हैं। जिसको वहन कर पाना कोरोना संक्रमितों के लिए संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में तो लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर मिलने में दिक्कतें हो रही है। यदि भगवान की कृपा से यह मिल भी जाए तो इसकी कीमत लोगों की पहुंच से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में ऑक्सीजन सिलेंडर के परिवहन की एक कीमत तय की गई है। लेकिन महाराष्ट्र सरकार ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है।

मेरे खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोप निराधार

मुंबई। राज्य के परिवहन मंत्री अनिल परब ने निलंबित मोटर वाहन निरीक्षक द्वारा उन पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। परब ने शनिवार को कहा कि मेरे, परिवहन आयुक्त सहित परिवहन विभाग के पांच अधिकारियों के खिलाफ नाशिक के पंचवटी पुलिस स्टेशन में निलंबित मोचर वाहन निरीक्षक गजेंद्र पाटील द्वारा की गई शिकायत निराधार है। पाटील ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि परिवहन विभाग के ट्रांसफर-पोस्टिंग में 300 करोड़ का घोटाला हुआ है। परिवहन मंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार की कई शिकायतों के चलते निलंबित किए गए मोटर वाहन निरीक्षक पाटील को निलंबित किया गया है। इसकी वजह से वे निराधार आरोप लगा रहे हैं। यह अधिकारी झुठे आरोप लगा कर महा विकास आघाडी सरकार को बदनाम करना चाहता है। ये आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। सरकार को बदनाम करने के लिए सीबीआई जांच की मांग की जा रही है। परब ने कहा कि इस शिकायत की नाशिक पुलिस जांच कर रही है। जांच के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी। राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने परब का बचाव करते हुए कहा कि

निचले स्तर पर क्या हो रहा है इसके लिए मंत्री कैसे जिम्मेदार हो सकता है। शिकायत करने और फिर कोर्ट में जाने जैसी गतिविधियां चलती रहेंगी। भुजबल ने कहा कि यह विपक्ष की साजिश है। पांच दिनों में जांच रिपोर्ट इस बीच पुलिस ने इस मामले की जांच शुरु कर दी है। पुलिस उपायुक्त (क्राईम ब्रांच) और दो अन्य उपायुक्त स्तर के पुलिस अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस आयुक्त दीपक पांडे ने पांच दिनों के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट देने को कहा है। क्या हैं आरोप परिवहन विभाग के निलंबित मोटर वाहन निरीक्षक पाटील द्वारा नाशिक के पंचवटी पुलिस स्टेशन दर्ज शिकायत में कहा गया है कि आरटीओ अधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग के लिए करोड़ों रुपए की मोटी रकम परिवहन मंत्री अनिल परब के इशारे पर वसूली जाती है। शिकायत पत्र में गजेंद्र पाटील ट्रांसफर पोस्टिंग में 250 से 300 करोड़ रुपए वसूले जाने का आरोप लगाया है।पाटिल के मुताबिक वर्धा के डिप्टी आरटीओबजरंग खरमाटे इस ट्रासफर-पोस्टिंग के धंधे का मास्टर माईंड है। वह मंत्री अनिल परब के इशारे और ट्रांसपोर्ट कमिश्नर अनिवाश ढाकणे के साथ मिलकर इस रैकेट को चलाता है।

मोदी सरकार के खिलाफ कांग्रेस करेगी जोरदार प्रदर्शन

मुंबई। केंद्र की मोदी सरकार के सात साल पूरे होने पर कांग्रेस पार्टी रविवार को राज्यभर में प्रदर्शन करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश को 25 साल पीछे धकेल दिया है। मोदी सरकार के सात वर्षों के कामकाज के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता महाराष्ट्र भर में प्रदर्शन करेंगे। पटोले ने कहा कि मोदी सरकार अपना कोई वादा पूरा नहीं कर सकी। पिछले सात वर्षों से मंहगाई लगातार बढ़ रही है। लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। उद्योग धंधे बंद पड़ रहे और लोगों का रोजगार जा रहा है। इस लिए मोदी के अंहकारी कामकाज के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता रविवार को जिला मुख्यालयों पर काले झंडे के साथ प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि मुंबई में मैं (प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटोले), पुणे में पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, नाशिक में राजस्व मंत्री बाला साहेब थोरात, नागपुर में ऊर्जामंत्री नितिन राऊत, अमरावती में मंत्री विजय वडेट्टीवार, लातूर में मेडिकल शिक्षामंत्री अमित देशमुख, कोल्हापुर में गृह राज्यमंत्री सतेज पाटील प्रेस कांफ्रेस कर मोदी सरकार की पोल खोलेंगे। जबकि सांसद कुमार केतकर मोदी सरकार को लेकर ऑनलाईन व्याखान देंगे।

९वीं के आधार पर १०वीं का रिजल्ट

महाराष्ट्र में १०वीं की परीक्षा होगी कि नहीं इसको लेकर छात्रों में संभ्रम की स्थिति बनी हुई थी।

कल राज्य की शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड के बयान के बाद अब यह तय हो गया है कि राज्य में दसवीं की परीक्षा नहीं होगी।

शिक्षामंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार १०वीं क्लास की बोर्ड परीक्षा को लेकर अपने पैâसले पर कायम है।

फिलहाल देश और राज्य में कोरोना के संकट को देखते हुए असाधारण परिस्थितियां हैं।

ऐसी स्थिति में राज्य में विद्यार्थी परीक्षा देने की मनोदशा में नहीं होने की बात वर्षा गायकवाड ने कही।

दसवीं कक्षा के छात्रों को अंक प्रदान करने के लिए नीति निर्धारित की गई है।

आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर विद्यार्थियों को पास किया जाएगा। वर्षा गायकवाड़ ने यह स्पष्ट किया

कि ९वीं में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर १०वीं का परीक्षा परिणाम निर्धारित किया जाएगा।

शिक्षामंत्री के कहने का तात्पर्य यह है कि ९वीं में की गई मेहनत दसवीं में काम आ गई।

इसे ही कहते हैं नहले पे दहला।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि जून माह के अंत तक परीक्षाफल घोषित कर दिए जाएंगे।

शिक्षा मंत्री के मुताबिक बोर्ड द्वारा जल्द ही छात्र मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए एक समय सारिणी घोषित की जाएगी। सभी स्कूलों को इस शेड्यूल का सख्ती से पालन करना होगा।

गौरतलब हो कि मुंबई हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि राज्य का शिक्षा विभाग अगर दसवीं की परीक्षा नहीं लेगा तो बताए कि किस आधार पर विद्यार्थियों को आकलन किया जाएगा यानी उन्हें उत्तीर्ण करने का आधार क्या होगा?

इसका खुलासा कल शिक्षामंत्री वर्षा गायकवाड ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए किया।

तीसरे लहर से पहले एमबीएमसी अलर्ट!

भायंदर, कोरोना की तीसरी लहर के पहले ही एमबीएमसी अलर्ट मोड में आ गई है। मुंबई, नई मुंबई, ठाणे मनपा की तर्ज पर अब मीरा-भायंदर मनपा ने भी कोरोना की तीसरी लहर आने से पूर्व वैश्विक बाजार से कोविड-१९ की वैक्सीन खरीदने का निर्णय लिया है। इसके लिए गुरुवार को निविदा जारी की गई है। प्रथम चरण में ४ लाख वैक्सीन खरीदी जाएगी, इसके लिए ४० करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वैक्सीन के एक डोज की कीमत १ हजार रुपए निश्चित की गई है। यह वैक्सीन स्थानीय रहिवासियों को मुफ्त में दी जाएगी। निविदा की अंतिम तारीख १० जून रखी गई है। इसके बाद

वैक्सीन खरीदने का निर्णय निविदा चुननेवाली समिति की मान्यता ली जाएगी। जिससे जून माह के अंत तक वैश्विक बाजार की वैक्सीन शहरवासियों को मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मनपा प्रशासन ने मीरा-भायंदर शहर की कुल जनसंख्या १० लाख, ४७ हजार, ३४६ अनुमानित कर ७ लाख, ५४ हजार, ०८९ लाभार्थियों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। मनपा ने अब तक कुल २ लाख, ३९ हजार, ०६५ लोगों का टीकाकरण किया है, जिसमें से १ लाख, ८० हजार, ८१६ लाभार्थियों को टीके की पहली डोज और ५८,२४९ को दूसरी डोज दी गई है। बाकी बचे लाभार्थियों में से १८ से ४४ वर्ष के बीच की आयु वालों का टीकाकरण वर्तमान में बंद रखा गया है। वहीं ४५ वर्ष से अधिक के लाभार्थियों का टीकाकरण शुरू है। वैक्सीन की कमी के कारण बीच बीच मे टीकाकरण बंद भी रखना पड़ रहा है। मनपा के टीकाकरण केंद्रों के अलावा मीरा रोड के भक्ति वेदांत हॉस्पिटल में भी २६ मई से टीकाकरण केंद्र शुरू किया गया है। जहां पर सिर्फ ऑनलाइन पंजीयन कराने वालों को ही टीका दिया जा रहा है। वर्तमान में इस केंद्र पर कोवैक्सिन के टीके की आपूर्ति की गई है।

केंद्र नाकाम! 5 महीने में बढ़े 41 बार पेट्रोल के दाम

मुंबई, देश कोरोना की महामारी से परेशान है, साथ ही महंगाई की अलग से मार पड़ रही है। पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। मुंबई में पेट्रोल ने सेंचुरी पूरी की है यानी पेट्रोल के दाम सौ के पार हो गया है। डीजल के दाम भी सेंचुरी तक पहुंच गए हैं। मुंबई में डीजल ९२ रुपए में बिक रहा है। सरकारी

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने मई के महीने में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में १५वीं बार बढ़ोतरी की है। डीजल और पेट्रोल के दाम में इस साल यानी २०२१ में अभी तक ४१ बार बढ़ोतरी की गई है। केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दाम को रोकने में नाकाम दिखाई दे रही है।

पेट्रोल और डीजल के दाम में हो रही बढ़ोतरी से आम जनता का केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश फूट पड़ा है। महंगाई के एक और बोझ से आम जनता पूरी तरह दब गई है। महंगाई के बोझ से दबी जनता बरबस ही कह रही है कि महंगाई की मार कब तक पड़ती रहेगी। बढ़े हुए पेट्रोल और डीजल के दाम को लेकर सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक जनता अपने गुस्से का इजहार कर रही है। इसके अलावा कल शिवसैनिकों का भी बढ़ते दाम को लेकर आक्रामक रूप था। शिवसैनिकों ने नरीमन प्वाइंट स्थित भाजपा कार्यालय के सामने मोदी विरोधी बैनर व पोस्टर झलकाए। इतना ही नहीं इसको लेकर शिवसैनिकों और भाजपाइयों के बीच नोक-झोंक भी हुई। बीच-बचाव के लिए पुलिस तुरंत पहुंच गई। कब-कब हुई बढ़ोतरी? सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां इस साल अभी तक ४१ बार पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी कर चुकी हैं। इसके अलावा इसकी कीमत में सिर्फ चार बार मामूली कटौती की गई है। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने जनवरी के महीने में १० बार, फरवरी के महीने में १६ बार और मई के महीने में अभी तक १५ बार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की है, वहीं मार्च में तीन बार और अप्रैल में एक बार पेट्रोल व डीजल की कीमत में मामूली कमी की गई है।

कोरोना काल में आंदोलन

तीन कृषि कानूनों के खिलाफ शुरू हुए किसानों के आंदोलन को आज (बुधवार को) छह महीने पूरे हो रहे हैं। इस दौरान आंदोलन में उतार-चढ़ाव काफी आए, इसके रूप और तेवर में भी बदलाव आए, लेकिन यह आंदोलन जारी रहा। संयुक्त किसान मोर्चा ने 26 मई को काला दिवस के रूप में मनाते हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों का आह्वान किया है। देश के 12 प्रमुख विपक्षी दलों ने इस आह्वान को अपना समर्थन दिया है। संयुक्त किसान मोर्चा की अपील पर पंजाब और हरियाणा से बड़ी संख्या में किसान दिल्ली बॉर्डर की ओर कूच भी कर चुके हैं। जाहिर है, किसान संगठन इस अवसर का इस्तेमाल करते हुए मंद पड़ते अपने आंदोलन को दोबारा तेज करने के मूड में हैं। तो क्या कोरोना की विनाशकारी दूसरी लहर के समाप्त होने से पहले ही देश में किसान आंदोलन की दूसरी लहर शुरू होने

वाली है? कोरोना जैसी संक्रामक बीमारी का प्रकोप देशवासियों को कैसी भयावह स्थिति में डाल सकता है, यह हमने अभी-अभी देखा है। उस स्थिति से अभी ठीक से उबरे भी नहीं हैं। बड़े शहरों के आंकड़े कुछ सुधरते दिख रहे हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति का सही-सही अंदाजा भी नहीं मिल रहा। ऐसे में किसानों के जत्थे का राजधानी दिल्ली के बॉर्डर पर इकट्ठा होना या देश के अलग-अलग हिस्सों में समूहों में निकलकर विरोध प्रदर्शन करना बेहद खतरनाक है। भूलना नहीं चाहिए कि दूसरी लहर के भीषण रूप अख्तियार करने के पीछे एक बड़ी भूमिका पांच राज्यों के चुनावों के दौरान हुई बड़ी-बड़ी रैलियों और हरिद्वार में कुंभ के नाम पर जुटी श्रद्धाओं की विशाल भीड़ की महत्वपूर्ण भूमिका बताई जाती है। ऐसी भीड़ में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना या करवाना लगभग नामुमकिन होता है। वैसे भी विशेषज्ञ देश में कोरोना की तीसरी लहर का अंदेशा अभी से जताने लगे हैं। इन सबके बीच अगर देश में सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन की यह प्रक्रिया शुरू हुई तो सरकारी तंत्र का ध्यान बंटेगा और कोरोना को काबू करने की मुश्किल लड़ाई और ज्यादा मुश्किल होगी। जहां तक किसानों की मांगों का सवाल है तो उस पर सहमति-असहमति से अलग हटकर यह कहा जाता रहा है कि किसानों को शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात रखने या सरकार का विरोध करने का अधिकार है। लेकिन मौजूदा हालात में लॉकडाउन और कोरोना प्रोटोकॉल की अवहेलना करते हुए सड़कों पर उतरना न केवल उन प्रदर्शनकारी किसानों के लिए बल्कि सबके लिए घातक है। सरकार को भी चाहिए कि किसानों के साथ बातचीत की बंद पड़ी प्रक्रिया शुरू करे ताकि इस लंबित पड़े मामले में कोई शांतिपूर्ण और समझदारी भरा रास्ता निकाला जा सके। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी संबंधित पक्ष हालात की गंभीरता को समझते हुए जिम्मेदारी का परिचय देंगे और ऐसा कुछ नहीं करेंगे जिससे देश में कोरोना का यह संकट और गहरा हो जाए।

तूफान और तैयारियां

किरीट ए. चावड़ा

पिछले सप्ताह तौकते की तबाही झेलने के बाद अब देश एक अन्य चक्रवाती तूफान यास का सामना कर रहा है। तौकते का सबसे तीखा असर महाराष्ट्र और गुजरात में देखने को मिला था, यास का ज्यादा प्रभाव ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटवर्ती इलाकों में है। हालांकि तूफान के नुकसानों का ब्योरा आने में कुछ वक्त लगेगा, लेकिन मौसम विभाग का दावा है कि यास कमजोर पड़ रहा है और तत्काल किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इसकी एक वजह यह भी है कि तूफान की शक्ति और इसके प्रभाव क्षेत्र की जानकारी मिल जाने की वजह से जरूरी तैयारियां पहले ही कर ली गई थीं। जानकार बताते हैं कि कम से कम तूफान के मामले में हमारी तैयारियां धीरे-धीरे बेहतर होती जा रही हैं। हर तूफान के अनुभव का फायदा अगले तूफान से बचाव की तैयारियों में होता है। इस बार भी समय रहते तटवर्ती इलाकों के कच्चे घरों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया था। पश्चिम बंगाल ही नहीं तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, अंडमान निकोबार में भी एनडीआरएफ की टीमें तैनात कर दी गई थीं। यहां तक कि झारखंड में भी टीम भेजने की तैयारी थी क्योंकि मिली सूचनाओं के मुताबिक ऐसी

संभावना थी कि जमशेदपुर और रांची में भी तूफान का असर हो सकता है। हालांकि तमाम तैयारियों के बावजूद ऐसे तूफान नुकसान तो पहुंचाते ही हैं। एक नुकसान उस स्तर पर होता है, जिससे बचाव की तैयारी संभव ही नहीं। खेतों में खड़ी फसलों का नुकसान या आबादी वाले हिस्सों में पानी भरने से होने वाले नुकसान इसी श्रेणी में आते हैं। इसके अलावा ऐसे भी नुकसान हैं, जो हमारी तैयारी या सावधानी में कमी का परिणाम होते हैं। उन नुकसानों का पहले से अंदाजा नहीं होता है। उदाहरण के लिए, तूफान में नावों या जहाजों के फंसने से होने वाली मौतें टालने के बहुत सारे इंतजाम हैं। मछुआरों को पहले से आगाह कर दिया जाता है। इस बार भी तटरक्षक दलों की सावधानी से बंगाल की खाड़ी में गईं सभी 265 नावें किनारे लौट आई थीं। इसी तरह की कवायद तौकते के दौरान भी की गई थी। बावजूद इसके, ओएनजीसी के एक प्रॉजेक्ट में लगा बार्ज पी 305 तूफान में फंस कर डूब गया, जिससे 70 से ज्यादा लोग मारे गए। यह लापरवाही का मामला था। तूफान की सूचना होने के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। बार्ज को समय रहते किनारों की ओर लाने का फैसला नहीं किया गया, जिसकी कीमत इतनी सारी बेकसूर जिंदगियों के रूप में चुकानी पड़ी। बहरहाल, इस मामले में तो जिम्मेदारी तय कर लापरवाही के दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों को उपयुक्त सजा मिलनी ही चाहिए।

हमारे ही किए विनाश का फल है ये कोरोना महामारी

जिगर डी वाढेर

बचपन में हम इतिहास की किताबों में पढ़ते थे कि किस तरह सालों पहले फ्लू और प्लेग जैसी महामारियों से लाखों लोग मरे। आपदा की उन डराने वाली स्मृतियों के बीच हम मानते थे कि यह उन बीते दिनों की बात है, जब हम पिछड़े थे। हम मुगालते में थे कि विकसित वैज्ञानिक तकनीक के चलते अब ऐसी सूरत कभी नहीं आ सकती। लेकिन तभी कोविड महामारी आई और हमारी तमाम खुशफहमियों को इसने रौंद डाला। यह सिर्फ अपने मुल्क की बात नहीं है। यही दशा हर मुल्क में दिखी। जिन देशों को हम जीडीपी, तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे मानकों पर विकसित मानते हैं, वहां भी यही तस्वीर है। उन समाजों में भी मौत की आंधी चली, जहां विकास का मानक बुलेट ट्रेन और रियल टाइम वायरलेस कनेक्टिविटी है। अमेरिका, यूरोप जैसे विकसित इलाके हों या अफ्रीका और एशिया के पिछड़े माने जाने वाले देश, कोविड के सामने सब पस्त हो गए। सड़क पर भटकते मरीज, अस्पतालों में बेड की कमी, ऑक्सिजन और दवा के अभाव में मरते लोग, यह तस्वीर हमारे विकास के मानक पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। हमने विकास के नाम पर जो सफर तय किया, क्या वह वास्तव में हमारे अनुकूल था? मानव अहं इस बात को स्वीकार नहीं कर पा रहा है कि विकास के नाम पर अब तक हम गलत रास्ते पर थे। यही वजह है कि अभी भी सच से मुंह मोड़ने और हकीकत से दूर भागने के लिए कई तरह के तर्क दे रहे हैं।

हम अपनी गलती छिपाने के लिए दलील देते हैं कि महामारी आने के एक साल के अंदर हमने टीके बना लिए, जो इतनी जल्दी कभी नहीं बने। ठीक है कि हमने इसे कम समय में बनाया, लेकिन वायरस के भी म्यूटेंट बनते चले गए। अब हम इस संशय में हैं कि क्या ये टीके सारे म्यूटेंट्स पर काम करेंगे? वायरस हमारे इंटेलिजेंस की कड़ी परीक्षा ले रहा है।

यह हकीकत है कि 70 फीसदी

से अधिक बीमारियां या प्राकृतिक आपदाएं इंसानी गलतियों का नतीजा हैं। हम पहले प्रकृति का नाश करते हैं, फिर मिनरल वॉटर रीपैकेज होकर सामने आ गया। हवा को प्रदूषित किया और आज तब हम दवा और टीका बनाते हैं, जिन्हें बनाने वाले लोग अकूत संपत्ति बनाते हैं।

बात सिर्फ महामारी तक ही होती, तो भी गनीमत थी। हमने बेहतर उत्पादन के नाम पर पारंपरिक कृषि को नष्ट किया। इससे जब मिट्टी खराब हुई तो हमने खाद बनाई। ऐसे ही पीने के पानी को देखें तो पहले इसे दूषित किया, फिर बिना प्रदूषण वाली ताजा हवा भी बाजार में बिक रही है। यह सब हमने अपनी आंखों के सामने होते देखा और इस अपराध के भागी बने।

लेकिन मानवीय अहं इसे स्वीकारने से मुकरता रहा कि उसकी इस करनी का नतीजा एक महामारी ही नहीं, विनाशकारी बाढ़, मरती नदियां, पिघलते ग्लेशियर भी हैं।

हमने संपत्ति का निर्माण प्रकृति का संतुलन बिगाड़ने की कीमत पर किया और प्रति व्यक्ति आमदनी, नई तकनीक, नए उत्पाद के नाम पर विनाश की राह पर चलते रहे। महामारी के दौरान परिवारों के बिछड़ने की दर्दनाक तस्वीरें, अंतिम संस्कार के लिए लगी लंबी कतारें, इलाज के लिए गिड़गिड़ाते लोगों की तस्वीरें, अमीर से अमीर लोगों का गरीबों की तरह ही महामारी के आगे समर्पण, ऑक्सिजन के एक-एक कतरे के लिए तरसते लोगों की भीड़ ने हमें इस अंधी दौड़ के औचित्य और प्रासंगिकता पर गंभीरता से सोचने को मजबूर कर दिया है।

कहीं ऐसा तो नहीं कि जब वायरस का प्रकोप कम हो जाएगा और हम इसके मौजूदा भय से बाहर निकल जाएंगे तो फिर उसी अहं और विकास की अंधी दौड़ में मगशूल हो जाएंगे? महामारी से मिली सीख के बाद सभी को ठहरकर इस दौड़ का मूल्यांकन करना चाहिए। विकास जरूरी है, लेकिन किस कीमत पर, हमें इस तथ्य को समझना चाहिए। हमें सोचना चाहिए कि जिस रास्ते को हम विकास पथ समझ बैठे थे, कहीं वह हाराकीरी का रास्ता तो नहीं।

कैसे पूरी हो विपक्ष की सियासी हसरत

भूपेन्द्र पटेल

पिछले कुछ सालों से नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली बीजेपी से मुकाबले के लिए विपक्षी दलों की एकता की कई कोशिशें हुईं, जो बयानों तक ही सीमित रहीं। अब, जबकि मोदी सरकार ने सात साल पूरे कर लिए हैं, और कोविड काल में पहली बार बीजेपी को गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने की पुरानी सियासी हसरत जवान होती दिख रही है। चाहे किसान आंदोलन को समर्थन देने का मसला हो या कोविड मैनेजमेंट पर सरकार से मांग का, पिछले कुछ दिनों में कई मौकों पर विपक्षी दलों ने एक स्वर में संदेश देने की कोशिश की है कि बड़े मसलों और बीजेपी की नीतियों के खिलाफ वे एक हैं। अभी पिछले हफ्ते जब किसान आंदोलन को समर्थन देने की बात आई, तो 12 अहम दलों ने एक साथ अपील की। इनमें सोनिया गांधी के अलावा ममता बनर्जी, शरद पवार, उद्धव ठाकरे, एमके स्टालिन, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, एचडी देवेगौड़ा, हेमंत सोरेन, फारूक अब्दुल्ला, सीताराम येचुरी जैसे नेता शामिल रहे।

ये डगर बड़ी है कठिन मगर

तो क्या इस बार विपक्षी एकता गंभीरता से आगे बढ़ेगी? इस सवाल का जवाब जानने से पहले कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के समीकरण देखने होंगे। यह सियासी तथ्य है कि दक्षिण या उत्तर में जितने भी क्षेत्रीय दल हैं, वे कांग्रेस के पतन की कीमत पर ही उभरे हैं। जिन-जिन राज्यों में कांग्रेस कमजोर होती गई, वहां-वहां क्षेत्रीय दलों का उभार बढ़ता गया। यह ट्रेंड पिछले तीन दशकों से है। सबसे नया उदाहरण दिल्ली में आम आदमी पार्टी है। बिहार, उत्तर प्रदेश हो या दिल्ली या फिर झारखंड जैसे राज्य, वहां कांग्रेस से जो वोट बैंक बाहर निकला, क्षेत्रीय दल उसी पर अपनी पकड़ बनाकर स्थापित हुए। इसके अलावा अधिकतर क्षेत्रीय दलों को वोट बेस कांग्रेस से ही मिलता रहा है। इसी कारण शुरू में इन क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस को दूर रखा, और उसे कमजोर करके खुद को मजबूत करते गए। लेकिन 2014 के बाद हालात बदले और सियासी साइकिल भी। अब इन तमाम क्षेत्रीय दलों के लिए बीजेपी बड़ा खतरा बन गई। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी हों या दक्षिण में केसीआर, अब इन सभी के लिए बीजेपी से लड़ना प्राथमिक सियासी चुनौती है। केरल छोड़ दिया जाए तो किसी भी बड़े राज्य में अब क्षेत्रीय दलों के सामने मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस नहीं, बीजेपी है। इसके बाद अब क्षेत्रीय दलों के लिए कांग्रेस को अपने साथ लाने में फिलहाल उतना नुकसान नहीं है, क्योंकि उनकी पहली प्राथमिकता बीजेपी को कमजोर करना है। हालांकि क्षेत्रीय दलों ने विपक्षी एकता नहीं होने के लिए अभी तक कांग्रेस को ही जिम्मेदार ठहराया है। इधर नेतृत्वहीनता का सामना कर रही कांग्रेस को भी आज क्षेत्रीय दलों की वैसी ही जरूरत है, जैसी 2004 में थी। पार्टी को पता है कि अब बात उसके अस्तित्व तक आ गई है और उसे इसके लिए समझौते करने होंगे। इस तरह दोनों ओर से सियासी परिस्थिति ऐसी बनी कि इस बार विपक्षी एकता इन दलों के लिए सियासी विकल्प नहीं बल्कि सियासी मजबूरी बन रही है। फिर भी, बात नेता के नाम पर आकर टिक जाती है। पिछले दिनों गैर कांग्रेसी यूपीए अध्यक्ष बनाने की सुगबुगाहट आई, तो वह भी बीच में बिखर गई। नेतृत्व का मसला विपक्षी एकता को आगे बढ़ाने की दिशा में कई बार सबसे बड़ी बाधा बन कर उभरा है। लेकिन एक क्षेत्रीय दल के प्रमुख ने बताया कि नेतृत्व की बात तो तब होगी, जब इसके लिए बात शुरू होगी। अभी तो पहले उस चेहरे की तलाश है जो इस बात को आगे बढ़ा सके, तमाम दलों के बीच संवाद शुरू करा सके। कौन कराएगा रास्ता पार

विपक्षी एकता की कोशिश में अब तक जो सबसे बड़ा अवरोध रहा है, वह ये कि इसे अंजाम तक कौन ले जाएगा? कई विपक्षी नेताओं का मानना है कि इस कोशिश को वही सर्वमान्य चेहरा आगे बढ़ा सकता है, जिसकी देश के तमाम क्षेत्रीय विपक्षी दलों के नेताओं से अच्छी बनती हो, साथ ही कांग्रेस के अंदर भी नेताओं के साथ उसके बेहतर संबंध हों। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर का नाम इसके लिए सबसे आगे बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि वह भी इसके लिए एक मजबूत धुरी बन सकते हैं। ममता बनर्जी के अलावा अभी संपन्न हुए चुनाव में तमिलनाडु में वह स्टालिन की अगुआई वाली डीएमके की भी रणनीति बना रहे थे। इससे पहले वह दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और आंध्र प्रदेश में जगन रेड्डी के साथ चुनावी रणनीति पर काम कर चुके हैं। पंजाब के सीएम अमरिंदर सिंह ने भी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर की सेवा लेने का ऐलान किया था। इसके अलावा महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे सहित उनके लालू प्रसाद यादव जैसे नेताओं से भी करीबी संबंध रहे हैं। 2015 में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार को एक साथ लाने का श्रेय भी प्रशांत किशोर को ही गया था। हालांकि 2017 विधानसभा चुनाव में एसपी-कांग्रेस गठबंधन की बुरी तरह हार हुई थी, फिर भी वह अखिलेश यादव और राहुल गांधी को एक मंच पर लाने में सफल रहे थे। कांग्रेस के कई नेताओं के साथ भी उनके करीबी संबंध हैं। गुजरात कांग्रेस के कुछ नेताओं ने भी पार्टी नेतृत्व से आग्रह किया था कि 2022 के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में उनकी सेवा लें। एक सीनियर कांग्रेसी नेता ने बताया कि अगर प्रशांत किशोर का सही ढंग से उपयोग किया गया तो 2024 से पहले वह विपक्ष की सबसे बड़ी कमजोरी को दूर सकते है। हालांकि बंगाल चुनाव जीतने के बाद प्रशांत किशोर ने चुनावी रणनीति का काम छोड़ देने का ऐलान किया है, ऐसे में वह इस काम को किस तरह करेंगे, अभी इस बारे में सीन साफ नहीं है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, मुंबई के महासचिव और भोजपुरी फिल्म स्टार सुदीप पांडे की मां चंदा पांडे की कोविड से निधन

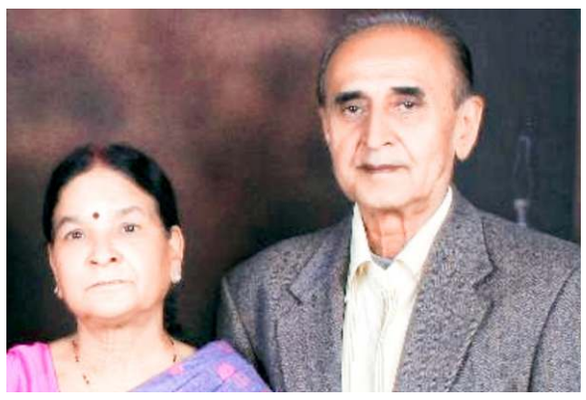

मुंबई / नई मुंबई :कोविड महामारी की दूसरी लहर ने बहुत से लोगों की जान ले ली है। जबकि कई फिल्मी हस्तियां संक्रमित हो गईं, कई ने अपने प्रियजनों को भी महामारी से खो दिया। एनसीपी, मुंबई, महाराष्ट्र के महासचिव और अभिनेता सुदीप पांडे की मां चंदा पांडे की 76 वर्ष की आयु में 21 मई 2021 को एमजीएम अस्पताल, नवी मुंबई में मृत्यु हो गई और इस से पहले उनके पिता उपेंद्र नाथ पांडे की 80 वर्ष की आयु में 14 अप्रैल 2021 को नवी मुंबई में ही मृत्यु हो गई थी। दोनों मृत्यु के कुछ दिनों पहले से नवी मुंबई के अस्पताल में भर्ती थे। उनका अंतिम संस्कार नवी मुंबई में किया गया और सुदीप पांडे की बहन निशि चौबे, उनके पति बिनोद चौबे, अन्य दोस्त और परिवार के सदस्य अंतिम संस्कार के लिए सुदीप पांडेय के निवास स्थान पर पहुंचे और शेष वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भी जुड़े। सुदीप पांडे ने कहा, "मेरे माता-पिता का प्यार मेरे लिए अनमोल है। उन्हें खोने के बाद मैं उन्हें ज्यादा याद करता हूं। वे जहां भी हैं, हमेशा मेरे दिल में रहेंगे। इतने कम समय में माता-पिता दोनों को खोना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, हम भाग्य नहीं बदल सकते हैं लेकिन कम से कम मैं संतुष्ट हूं कि एमजीएम अस्पताल ने मेरी मां के जीवन को बचाने के लिए अपनी पूरी कोशिश की और इसके लिए हमारा पूरा परिवार एमजीएम

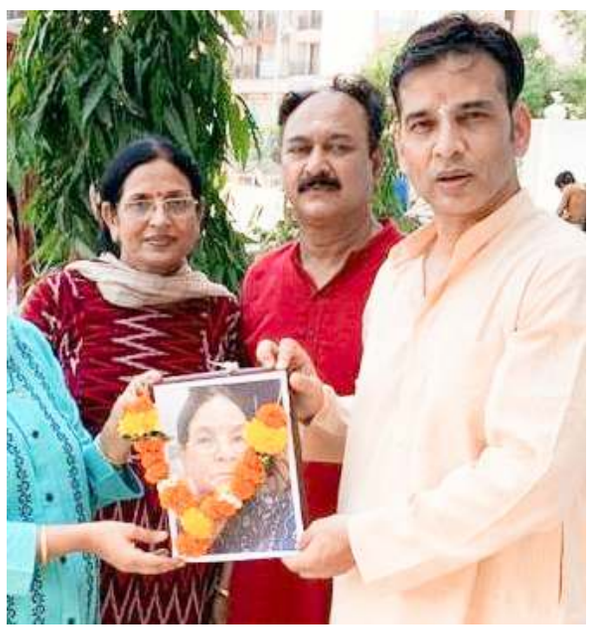

अस्पताल के डीन श्री जी एस नरशेट्टी और उनकी मेडिकल टीम का आभारी है।" इस अवसर पर सुदीप पांडे और बिनोद चौबे ने गरीबों को खाना बांटा। इसके बारे में पूछे जाने पर उन्होंने समझाया "मेरे माता-पिता हमेशा जरूरतमंदों की मदद करना पसंद करते थे और इसीलिए यह हमारे परिवार में एक संस्कृति बन गई है"।सुदीप पांडे के माता-पिता के निधन पर पूरे भोजपुरी फिल्म उद्योग और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने व्यापक शोक व्यक्त किया है।

हजारों पेड़ गिरने के बाद बीएमसी की नींद खुली

मुंबई, चक्रवाती तूफान तौकते में हजारों पेड़ गिरने के बाद अब बीएमसी को पेड़ों की छंटाई की याद आई है। मॉनसून के दौरान पेड़ या टहनी गिरने की घटना कम हो, इसके लिए बीएमसी ने प्राइवेट सोसायटियों, सरकारी व अर्धसरकारी परिसरों में स्थित पेड़ों की छंटाई व काटने की अनुमति ऑनलाइन व ऐप के जरिए देने का निर्णय लिया है। बीएमसी ने कहा है कि मॉनसून आने से पहले अपने कंपाउंड व सोसायटी में पेड़ों की छंटाई कर लें, ताकि बरसात के समय जन-धन की हानि से बचा जा सके। लेकिन इसके लिए लोगों को बीएमसी से परमिशन लेना होगा। लोग बीएमसी के ऐप MCGMx24 व portal.mcgm.gov.in पर जाकर ऑनलाइन पेड़ों की छंटाई का परमिशन ले सकते हैं। मुंबई में 29 लाख 75 हजार से अधिक पेड़ हैं, जिनमें 15 लाख 63 हजार से अधिक पेड़ निजी एरिया में हैं। जबकि 11 लाख से अधिक सरकारी परिसर में जबकि सड़कों के किनारे व उद्यानों में 1 लाख से अधिक पेड़ हैं। जिनकी छंटाई की जिम्मेदारी बीएमसी की है। जिसके लिए बीएमसी ने 38 करोड़ रुपये में ठेका दिया है। बीएमसी ने लॉकडाउन का हवाला देते हुए लोगों को घर बैठे पेड़ों की कटाई एवं उसकी टहनियों की छंटाई की अनुमति देने का फैसला किया है। इसी तरह मृत एवं कीड़े लगने से खराब हुए पेड़ों को तत्काल हटाने के लिए बीएमसी के 1916 टोलफ्री नंबर पर भी अनुमति प्राप्त की जा सकती है। साथ ही, बीएमसी के 24 वॉर्ड में नियुक्त वृक्ष अधिकारी से सीधे संपर्क कर भी खतरनाक हुए एवं मृत पेड़ों की सूचना देकर उसे काटा जा सकता है।

बढ़ाए गए उत्तर भारत की ओर मुंबई से जाने वाली ट्रेन के फेरे, बुकिंग आज से शुरु

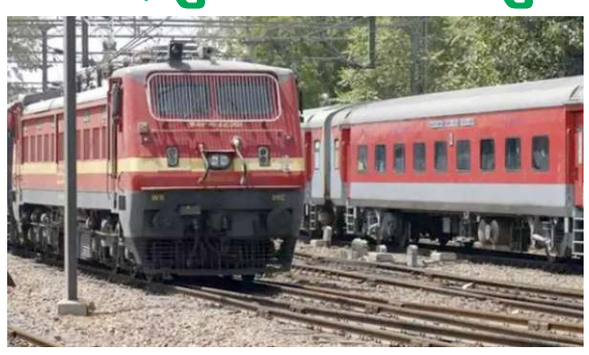

मुंबई/लखनऊ, उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की डिमांड के कारण कुछ विशेष ट्रेनों का विस्तार किया जा रहा है। इन ट्रेनों में टिकटों की बुकिंग 29 मई से शुरू होगी। सभी स्पेशल मौजूदा रूट, टाइमिंग और हॉल्ट के साथ चलेंगी।

गोरखपुर विशेष: ट्रेन क्रमांक 01359 मुंबई-गोरखपुर स्पेशल को दिनांक 2 जून से 14 जून (8 ट्रिप) तक विस्तारित किया गया है और इसी तरह ट्रेन क्रमांक 01360 गोरखपुर - मुंबई स्पेशल 4 जून से 16 जून (8 ट्रिप) तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन क्रमांक 01355 एलटीटी-गोरखपुर स्पेशल को दिनांक 1.6.2021, 8.6.22021 और 15.6.2021 (3 ट्रिप) तक और ट्रेन क्रमांक 01330 गोरखपुर - एलटीटी स्पेशल को 3.6.2021, 10.6.2021 और 17.6.2021 (3 ट्रिप) तक विस्तारित किया गया है।

दानापुर सुपरफास्ट: ट्रेन क्रमांक 01361 मुंबई - दानापुर को दिनांक 3.6.2021 और 10.6.2021 (2 ट्रिप) तक विस्तारित किया गया है और इसी तरह ट्रेन क्रमांक 01362 दानापुर- मुंबई स्पेशल को दिनांक 4.6.2021 और 11.6.2021 (2 ट्रिप) तक विस्तारित किया गया है।

दरभंगा स्पेशल: ट्रेन क्रमांक 01363 मुंबई-दरभंगा स्पेशल को दिनांक 1.6.2021, 8.6.22021 और 15.6.2021 (3 ट्रिप) तक विस्तारित किया गया है और वापसी में ट्रेन क्रमांक 01364 दरभंगा- मुंबई स्पेशल को दिनांक 3.6.2021, 10.6.2021 और 17.6.2021 (3 ट्रिप) तक विस्तारित किया गया है।

छपरा स्पेशल: ट्रेन क्रमांक 01365 मुंबई-छपरा स्पेशल को दिनांक 5.6.2021 और 12.6.2021 (2 ट्रिप) तक विस्तारित किया गया है और ट्रेन क्रमांक 01366 छपरा - मुंबई स्पेशल को 7.6.2021 और 14.6.2021 (2 ट्रिप) तक विस्तारित किया गया है।

आरक्षण: मुंबई से छूटने वाली पूरी तरह से आरक्षित विशेष ट्रेनों की विस्तारित ट्रिप्स के लिए बुकिंग विशेष शुल्क पर सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर दिनांक 29.5.2021 को शुरू होगी।

कोविड-19 के चलते अनाथ हुए बच्चों की मदद के लिये नीति बनाएं अधिकारी - ठाकरे

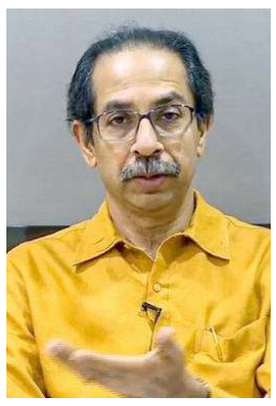

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने महिला एवं बाल विकास विभाग को कोविड-19 के चलते अनाथ हुए बच्चों को सहायता प्रदान करने के लिये नीति बनाने का शुक्रवार को निर्देश दिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राज्य में महामारी के चलते लगभग 2,290 बच्चे अपने पिता, माता या दोनों को खो चुके हैं। ठाकरे ने महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रमों और नीतियों पर चर्चा के लिये बुलाई गई बैठक में कहा कि इन बच्चों की जरूरतों पर विचार करने के बाद एक नीति बनाई जानी चाहिये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन बच्चों को राहत प्रदान करने के मामले पर चर्चा करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा कोविड-19 को लेकर गठित बाल कार्यबल और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण से बच्चों की सुरक्षा के लिये मिलकर काम करना चाहिये। डॉक्टर सुहास प्रभु नीत इस कार्यबल का गठन विशेषज्ञों की चेतावनी के बाद किया गया था कि महामारी की संभावित तीसरी लहर में बड़ी संख्या में बच्चे वायरस से संक्रमित हो सकते हैं।

उद्योगों को दी जाने वाली सब्सिडी में घोटाला, 15 स्टील कारखाना मालिकों को ही दे दी 65% छूट की रकम

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार हर साल मराठवाडा, विदर्भ विभाग व अन्य पिछड़े जिलों की कारखाना उत्पादन इकाइयों को करीब 1200 करोड़ रुपये की बिजली सब्सिडी देती है। लेकिन 2016 से इसका फायदा महज 15 दिग्गज कारखाना मालिक उठा रहे हैं।

छोटे व मझोले कारोबारियों को सरकार की सब्सिडी नहीं मिल पा रही है, जिससे वे पलायन करने के लिए मजबूर हो गए हैं। करीब 35 उत्पादन इकाइयां बंद हो चुकी हैं। कई सारे कारोबारी पड़ोस के राज्यों में पलायन कर रहे हैं। कई कारखाना मालिकों ने खुद को दिवालिया घोषित कर कारोबार ही बंद कर दिया है। कारखाना बंद होने व पलायन करने से राज्य सरकार को अलग-अलग मदों में करीब 10,000 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है और करीब 11400 लोग बेरोजगार हो गए हैं। 2014 में महाराष्ट्र में बीजेपी-शिवसेना की सरकार बनी थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने क्षेत्र में उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए बिजली सब्सिडी देने का निर्णय लिया था।

उस वक्त कुछ दिग्गज कारोबारियों ने विदर्भ के साथ मराठवाडा रीजन को भी उसमें शामिल करने के लिए सरकार दबाव बनाया। आगे चलकर इसमें राज्य के कुछ पिछड़े जिलों को भी स्थान दिया गया। इन क्षेत्रों में साढ़े चार रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली देने का निर्णय लिया गया, जबकि राज्य के दूसरे जिलों में साढ़े आठ रुपये की दर से बिजली दी जा रही है।

नियम व शर्तें बनाने में गड़बड़ी

उस क्षेत्र के दिग्गज कारखाना मालिकों ने सरकारी बाबुओं और मंत्रियों से मिलकर खेल खेलना शुरू किया। ऐसी-ऐसी शर्तें लगाईं कि जिसका फायदा बड़े उद्योगपतियों को ही मिल सके। सन 2016 से लेकर अब तक सब्सिडी का फायदा 15 दिग्गज कारखाना मालिक उठा रहे हैं। उस क्षेत्र में करीब 7500 कारखाने हैं। बताया जा रहा है कि सन 2020-21 के लिए ठाकरे सरकार के वित्तमंत्री अजित पवार ने 1,200 करोड़ रुपये छूट देने का निर्णय लिया था, लेकिन 20 दिसंबर 2020 तक छूट की वह रकम खत्म हो गई। 15 कारखाना मालिकों ने 750 करोड़ रुपये का फायदा लिया, जबकि बाकी कारखाना मालिकों को महज 450 करोड़ रुपये की छूट मिली। वर्धा जिले के एक कारखाना मालिक ने 120 से 150 करोड़ रुपये का फायदा लिया है। उसके बाद जालना जिले के उद्योगपतियों का नाम आता है, जिसे सरकार की सब्सिडी का फायदा मिला है।

ठाणे में बिल्डिंग का स्लैब गिरने से 7 लोगों की दर्दनाक मौत, राहत और बचाव कार्य जारी

ठाणे, महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया। जिले के उल्हासनगर में एक रिहायशी इमारत की स्लैब गिरने से सात लोगों की मौत हो गई। अभी 3-4 लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं ठाणे नगर निगम का बचाव अभियान जारी है। ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारी फायर ब्रिगेड टीम के साथ घटनास्थल पर है। ये लोग मलबे में फंसे लोगों को निकालने में लगे हुए हैं। इमारत का नाम साई सिद्धी है जो उल्हासनगर के नेहरू चौक पर स्थित है। अभी हादसे की वजह साफ नहीं हो पाई है।

मुंबई में प्री-मॉनसून की दस्तक, 8 जून से हो सकती है झमाझम बारिश

मुंबई, मुंबईकरों को अब जल्द ही गर्मी से निजात मिलने वाली है। इसी के साथ अब छतरी और रेनकोट का इंतजाम भी करना होगा। मुंबई में गुरुवार को प्री-मॉनसून ने दस्तक दी है। इस प्री-मानसून को देखते हुए मौसम वैज्ञानिकों ने मुंबई में 8 जून तक मॉनसून आने की संभावना जताई है।

चक्रवात के पहले और चक्रवात के बाद एक बार फिर उमस भरी गर्मी ने मुंबईकरों को हैरान किया है। चक्रवात के बाद मुंबई का न्यूनतम और अधिकतम तापमान में वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि न्यूनतम तापमान में इतनी वृद्धि हुई है कि दिन और रात के तापमान में महज 5 डिग्री का अंतर है।

क्षेत्रीय मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को मुंबई शहर का अधिकतम तापमान 33.5 और उपनगर का 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि शहर का न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री और उपनगर का 28.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। क्षेत्रीय मौसम विभाग की अधिकारी शुभांगी भुते ने बताया कि गुरुवार को सुबह मुंबई और ठाणे के कुछ हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी हुई है। भुते ने इसे प्री-मॉनसून बताया है।

मुंबई के लोगों को आने वाले दिनों में बारिश से थोड़ी राहत मिल सकती है। मुंबई में गुरुवार को प्री-मॉनसून ने दस्तक दी है और 8 जून तक मॉनसून आने की संभावना जताई जा रही है।

मौसम विशेषज्ञ दिनेश मिश्रा ने बताया कि रविवार की तरह गुरुवार की सुबह मुंबई के कुछ हिस्सों में बरसात हुई थी। यह संकेत है कि प्री-मॉनसून ने दस्तक दे दी है। उन्होंने बताया कि मुंबई में सुबह या फिर शाम के बाद कुछ इलाकों में हल्की फुल्की बरसात शुरू हो जाएगी।

30 तक केरल पहुंचेगा मॉनसून

मौसम वैज्ञानिक दिनेश मिश्रा ने बताया कि आगामी एक दो दिन में मॉनसून 30 अप्रैल तक केरल पहुंच जाएगा। उसके बाद 8 से 9 जून के बीच मुंबई में मॉनसून की शुरुआत हो जाएगी।

'सतर्क रहें, स्वस्थ रहें'

डॉ. दीपक बैद ने बताया कि मौसम में जब भी परिवर्तन होता है, तो इसका असर सीधे स्वास्थ्य पर पड़ता है। लोगों में वायरल फीवर आम बात हो जाती है। इसलिए लोग सतर्क रहें और पौष्टिक आहार लेकर स्वस्थ रहें। इसी के साथ डेंगू, मलेरिया, लेप्टोस्पाइरोसिस जैसी अन्य मॉनसूनी बीमारियों से भी बचें।

मुंबई ने 6 विदेशी शहरों से मांगा टीका, लेकिन ग्लोबल टेंडर से अमेरिका की एस्ट्राजेनका फाइजर ने खींचे हाथ

मुंबई, कोरोना वैक्सीन की कमी से जूझ रही मुंबई महानगर पालिका ने वैक्सीन डिप्लोमेसी शुरू की है। कोरोना को मात देने के लिए बीएमसी ने दुनिया की 'सिक्स सिस्टर सिटी' को पत्र लिख कर वैक्सीन उपलब्ध कराने मांग की है। बीएमसी ने सेंट पीटर्सबर्ग (रूस), न्यू यॉर्क (अमेरिका), लॉस एंजिलिस (अमेरिका), बुसान (दक्षिण कोरिया) स्टुटगार्ट (जर्मनी) और योकोहामा (जापान) शहरों के मेयर्स को मदद के लिए पत्र लिखा है। बीएमसी ने इन शहरों के प्रमुख से 1 करोड़ 80 लाख डोज वैक्सीन की मांग की है। इसमें से याकोहामा ने वैक्सीन उपलब्ध कराने में असमर्थता जताई है। 1 करोड़ वैक्सीन का ग्लोबल टेंडर बता दें कि 1 करोड़ वैक्सीन के लिए बीएमसी ने ग्लोबल टेंडर जारी किया है। यह अपने स्तर पर पर वैक्सीन का टेंडर जारी करनेवाली देश की पहली महानगर पालिका है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि इन सिक्स सिस्टर सिटी के बीच आपस में संबंध हैं। इन शहरों के बीच मुश्किल स्थिति में एक- दूसरे की मदद करने की सहमति बनी है। फाइजर ने खींचा हाथ बीएमसी के वैक्सीन अभियान को झटका लगा है। 1 करोड़ वैक्सीन के लिए टेंडर भरनेवाली अमेरिका की एस्ट्राजेनका फाइजर पीछे हट गई है। अब बीएमसी के पास सिर्फ 7 कंपनियों के टेंडर रह गए हैं। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने टेंडर वापस लेने के पीछे कोई कारण नहीं बताया है। अन्य 7 कंपनियों के साथ चर्चा चल रही है।

मुंबई के बिल्डर और फिल्म फाइनेंसर युसूफ लकड़ावाला को ईडी ने किया गिरफ्तार

मुंबई, खंडाला में एक महंगी जमीन की खरीद के लिए कथित रूप से जाली कागजात बनाने से जुड़े धन शोधन के एक मामले के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को मुंबई स्थित बिल्डर और फिल्मों फाइनेंसर युसूफ एम लकड़ावाला को गिरफ्तार कर लिया। ईडी की ओर से बताया गया कि लकड़ावाला को धन शोधन कानून की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया और बाद में एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपी को दो जून तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया। पुणे जिले की मावल तहसील के अंतर्गत खंडाला में 50 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन के फर्जी कागजात बनाने और धोखाधड़ी के संबंध में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा 2019 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसके आधार पर 76 वर्षीय लकड़ावाला तथा अन्य के विरुद्ध ईडी ने मामला दर्ज किया है।

उक्त 4.4 एकड़ भूमि तत्कालीन हैदराबाद के नवाब जंग बहादुर के परिवार की बताई जाती है। पुलिस की जांच में सामने आया था कि लकड़ावाला ने कथित रूप से कुछ सरकारी अधिकारियों तथा अन्य के साथ मिलकर इस भूमि के फर्जी कागजात बनवाए जिसमें यह लिखा था कि जमीन लकड़ावाला के पिता ने 1949 में खरीदी थी और बाद में उसे उपहार में दी थी। ईडी ने अपने वक्तव्य में कहा कि जांच में पता चला कि लकड़ावाला ने बहुत सी फर्जी कंपनियां बनाई हैं। एजेंसी ने कहा, "इन कंपनियों के बैंक खातों से ज्ञात हुआ कि यह कोई लाभ का व्यवसाय नहीं कर रही थीं फिर भी इन शेल कंपनियों द्वारा करोड़ों रुपये का लेनदेन किया गया।

कोरोना के लक्षण दिखते ही अपनाएं ये ट्रिक, गले में नहीं बढ़ेगा वायरस, घटेगा फैलने का खतरा

मनोज जोशी

कोरोना वायरस के केसेज भारत में कम जरूर हुए हैं लेकिन वायरस अभी खत्म नहीं हुआ। बीमारी की जब तक दवा नहीं आ जाती तब तक सतर्कता और बचाव बेहद जरूरी है। SARS-

CoV-2 (कोरोना) वायरस एक रिस्पिरेटरी वायरस है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने, बोलने और जोर से चिल्लाने से यह लोगों में फैलता है। इन्फेक्शन का खतरा उस वक्त सबसे ज्यादा होता है जब संक्रमित व्यक्ति में लक्षण नहीं दिखाई देते या बीमारी की शुरुआत होती है। नाक या मुंह से वायरस गले फिर लंग्स में पहुंचकर इन्हें डैमेज करता है। ऐसे में अगर वायरस के बढ़ने की प्रक्रिया पहले ही कंट्रोल कर ली जाए तो बीमारी की गंभीरता को कम किया जा सकता है। इसके लिए डॉक्टर एक तरीका गर्गल (गरारा) करना बताते हैं।

गले में दिक्कत हो तो करें गरारा

कोरोना एजुकेटर और हार्ट स्पेशलिस्ट डॉक्टर केके अग्रवाल की वेबसाइट MedTalks के मुताबिक, कोविड इन्फेक्शन के बाद अगर गरारा किया जाए तो वायरल लोड कम हो सकता है। वायरोलॉजी स्टडी में देखा गया है कि SARS-CoV-2 तेजी से अपनी संख्या बढ़ाता है और इन्फेक्शन की शुरुआत में गले नाक और गले में पाया जाता है। यहीं से ये लोअर रिस्पिरेटरी ट्रैक्ट यानी लंग्स तक पहुंच जाता है। वैसे ज्यादातर केसेज में कोरोना माइल्ड ही रहता है लेकिन कई केसेज में यह निमोनिया बना देता है।

कम होता है वायरस का रिप्लिकेशन

कई रिसर्चेज से ये बात सामने आई है कि गरारा करने से वायरस का रिप्लिकेशन गले में ही कम किया जा सकता है। ताइवान की Chang Gung University में हुई रिसर्च के मुताबिक कोरोना महामारी के दौरान गरारा करना फायदेमंद हो सकता है। अगर आपको संक्रमण का डर है या गले में जरा भी दिक्कत है तो डॉक्टर की सलाह पर किसी एंटीसेप्टिक माउथवॉश से गरारा कर सकते हैं।

संक्रमण का खतरा भी हो जाता है कम

गरारा करने से वायरस आपके शरीर से खत्म नहीं होता लेकिन वायरल लोड घटाकर ये इन्फेक्शन की गंभीरता को कम कर सकता है। कोरोना वायरस संक्रमित मरीज के मुंह से फैलता है तो गरारा करने से लोगों में इसके ट्रांसमिशन का खतरा भी कम हो जाता है। डॉक्टर्स के मुताबिक, PVP-I माउथवॉश और गर्गल मुंह और गले से वायरल लोड कम करने में काफी इफेक्टिव माने जाते हैं।

इन चार कारणों से बच्चों को वैक्सीनेशन नहीं कराते माता-पिता! आपकी जिद पड़ सकती है भारी

संजय शर्मा

टीकाकरण (वैक्सीनेशन) आपके बच्चे को 14 गंभीर बचपन की बीमारियों से बचाने का सबसे अच्छा तरीका है, 2 साल की उम्र से पहले बच्चों को कई बीमारियों का खतरा रहता है। ऐसे में टीकाकरण करना कई सालों से घातक बीमारियों से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है। आपको जानकर हैरानी होगी कि कई माता-पिता अपने बच्चों को टीका लगवाने से इनकार कर देते है, जिससे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के साथ उन्हें कई बीमारियों का खतरा रहता है। ऐसे में यहां गौर करने वाली बात यह है कि यह व्यक्तिगत या किसी एक देश की परेशानी नहीं बल्कि बच्चों में बढ़ती बीमारियों के आंकड़ों का असर पूरे विश्व पर पड़ता है। बाल रोग पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, 19 से 35 महीने की उम्र के एक तिहाई बच्चों में टीकाकरण में देरी होती है। आइए, जानते हैं कारण-

धार्मिक कारण

इससे निपटना सबसे कठिन है क्योंकि यह किसी व्यक्ति के

विश्वास से जुड़ा हुआ है। धार्मिक कारणों का हवाला देते हुए माता-पिता टीकाकरण करने से मना कर देते हैं। व्यक्तिगत मान्यताएं

कुछ माता-पिता यह मानते हुए टीकों को मना कर देते हैं कि बच्चों के टीकाकरण में सुधार के लिए कुछ बीमारियों के संपर्क में आना महत्वपूर्ण है, जबकि अन्य लोगों का मानना है कि शिशु की प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रणाली किसी भी तरह के टीकाकरण से बेहतर और प्रभावी है।

सुरक्षा संबंधी चिंताएँ

सुरक्षा का मुद्दा भी इनकार करने का एक कारण है। टीकाकरण से संबंधित इंटरनेट पर उपलब्ध विभिन्न प्रकार की गलत सूचनाओं के कारण, माता-पिता अक्सर सही फैसला नहीं कर पाते और टीकाकरण के लिए मना कर देते हैं।

ज्यादा जानकारी

माता-पिता आमतौर पर कोई भी निर्णय लेने से पहले वैक्सीन के बारे में अधिक जानकारी मांगते हैं। वे उनके जोखिमों, लाभों और दुष्प्रभावों से पूरी तरह अवगत होना चाहते हैं, जो अक्सर प्रक्रिया में देरी करता है।

किन लोगों को ब्लैक फंगस से ज्यादा खतरा? जानें कोरोना से रिकवरी के दौरान इसके क्या हैं लक्षण

COVID-19 के कई मरीजों में ठीक होने के बाद फंगल इंफेक्शन के मामले देखे जा रहे हैं। वहीं, कई मामले ऐसे भी सामने आए हैं, जहां कोरोना से रिकवरी के दौरान कई मरीजों में ब्लैक फंगस के लक्षण देखे गए। ऐसे में ब्लैक फंगस के लक्षणों की जानकारी रखना बहुत जरूरी है।

किन लोगों को ब्लैक फंगस का खतरा ज्यादा

कोरोना के जो मरीज लंबे समय तक ICU में रहते हैं, जिन्हें बहुत ज्यादा ऑक्सीजन दी गई, जिन्हें स्टेरॉयड की ज्यादा मात्रा दी गई, अथवा बढ़ा हुआ ब्लड शुगर या या फिर जो लोग बिना डॉक्टरी सलाह के खुद दवा ले रहे हैं, उन लोगों में ब्लैक फंगस होने का खतरा ज्यादा होता है।

सावधानियां :

लगातार सिर दर्द होना- कोरोना से रिकवरी के दौरान अगर आपके सिर में लगातार दर्द बना रहता है। और आपको एक तरह का दबाव महसूस होता है तो ये ब्लैक फंगस का सबसे शुरुआती लक्षण हो सकता है। फंगस नाक के जरिये दिमाग तक पहुंच सकता है।

चेहरे पर एक तरफ सूजन- हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार ब्लैक फंगस की वजह से शरीर में कुछ अलग-अलग लक्षण देखने को मिल सकते हैं। जैसे कि चेहरे के एक तरफ सूजन, दर्द और नीचे की तरफ भारीपन महसूस हो सकता है। नेक्रोसिस की वजह से स्किन लाल हो सकती है। इसे भी ब्लैक फंगस के एक लक्षण के रूप में देखा जाना चाहिए।

ब्लैक फंगस के एक लक्षणों में चेहरे की विकृति भी शामिल है। नाक के चारों ओर काली पपड़ी बनना, चेहरे का रंग खराब होना, आंखों में भारीपन महसूस होना शरीर में ब्लैक फंगस फैलने का संकेत हो सकता है। ऐसा कोई भी लक्षण दिखने पर डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

डिसक्लेमर : यह लेख सामान्य जानकारी देने के उद्देश्य से लिखा गया है, अगर किसी व्यक्ति को सेहत से जुड़ी कोई परेशानी होती है, तो कृपया डॉक्टर से संपर्क करके उचित इलाज कराएं।

दौड़ने में है परेशानी तो लें सौना या हॉट बाथ, कसरत के बराबर मिलेगा फायदा

द कन्वरसेशन: मैंने शरीर पर व्यायाम के फायदों के बारे में पढ़ा है। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि जब मैं लैब में नहीं होता हूं तो खुद को चुस्त दुरूस्त रखने के लिए जिम जाता हूं या दौड़ लगाने जाता हूं। लेकिन बहुत से लोगों के लिए बाहर निकलना और अपने शरीर को हिलाना डुलाना उतना सरल नहीं होता। आधुनिक जीवन में एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली अपनाना उतना आसान नहीं है।

वैसे भी मेरे जैसे लोगों के लिए भी व्यायाम या कसरत करना हमेशा मजा देने वाला नहीं होता। मुझे अपने आप को थकाना पड़ता है और बेआराम होना पड़ता है, इस उम्मीद में कि मैं फिट और स्वस्थ रहूंगा। निश्चित रूप से एक हॉट बाथ या फिर सौना में वक्त गुजारना-एक कहीं ज्यादा आकर्षक विकल्प है-इनकी तुलना नहीं की जा सकती? यह वह सवाल है जिसका जवाब ढूंढने के लिए मैंने खुद को समर्पित कर दिया और अब तक जो संकेत मिले हैं वह आशाजनक हैं। लोग ठीक ही कहते हैं, व्यायाम औषधि है और इसे लोग स्वस्थ रहने के लिए सबसे सही तरीका मानते भी हैं हालांकि दवाएं भी काम नहीं करती, जब तक आप उन्हें लेने के लिए तैयार नहीं होते। वैसे व्यायाम का नियमित गतिविधि के रूप में पालन करना भी मुश्किल है, कई लोग समय और प्रेरणा की कमी के कारण व्यायाम करने को तैयार नहीं होते। और जो वृद्ध हैं या जिन्हें पुरानी बीमारियां हैं, उनके लिए व्यायाम भी दर्द का कारण बन सकता है, जो स्पष्ट कारणों से व्यायाम को और सीमित कर देता है। वैश्विक स्तर पर देखें तो लगभग 25% वयस्क 150 मिनट की मध्यम तीव्रता गतिविधि या प्रति सप्ताह 75 मिनट की अधिक तीव्रता गतिविधि, या दोनों के संयोजन के न्यूनतम अनुशंसित शारीरिक गतिविधि स्तरों को पूरा नहीं करते हैं। ब्रिटेन में आंकड़े और भी खराब हैं, लगभग 34% पुरुष और 42% महिलाएं इन दिशानिर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। अफसोस की बात है कि इस तरह के आलसी और व्यायाम रहित व्यवहार को ब्रिटेन में सालाना होने वाली लगभग 11.6% मौतों से जोड़ा जाता है। ऐसी दुनिया में जहां हम में से कई नौ से पांच कार्यालय की नौकरी कर रहे हैं और हमारे दैनिक कार्यों को केवल एक बटन दबाकर पूरा किया जा सकता है, यह जानना आसान है कि समाजों के आधुनिकीकरण ने हमें इस तरह के आलसी और गतिहीन व्यवहार तक क्यों पहुंचा दिया है। स्वास्थ्य में सुधार के लिए वैकल्पिक उपाय खोजने की तत्काल आवश्यकता है जिसका लोग पालन करने के इच्छुक हों।इस तरह का समाधान खोजने के प्रयास में, मैंने यह जानने का प्रयास किया कि हॉट बाथ और सौना शरीर को कैसे प्रभावित करते हैं। पूरे मानव इतिहास में, दुनिया भर में कई संस्कृतियों ने स्वास्थ्य में सुधार के लिए हीट थेरेपी का उपयोग किया है। लेकिन कुछ समय पहले तक, स्नान के लाभ व्यवहारिक नहीं थे और मोटे तौर पर इसे अवैज्ञानिक के रूप में देखा जाता था। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में सबूत बढ़ रहे हैं और आज हम जानते हैं कि सौना या हॉट टब में नियमित रूप से स्नान करने से हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है - और इसके व्यापक स्वास्थ्य लाभ भी हो सकते हैं। शोध की हमारी हालिया समीक्षा में पाया गया कि नियमित सौना या हॉट टब स्नान लेने से वास्तव में कम से मध्यम तीव्रता वाले एरोबिक व्यायाम जैसे पैदल चलना, टहलना और साइकिल चलाना जैसे समान स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। पहली नज़र में, हॉट बाथ या सौना की तुलना दौड़ने या कसरत से करना अतार्किक लग सकता है - आखिरकार, हॉट बाथ को आराम देने वाला और सौना को थका देने वाला माना जाता है

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : जल्द ही समय बदलने का समय आ रहा है। अपनी इच्छाओं, जरूरतों को इस सप्ताह पूरा करने में कामयाब होंगे। बहुत दिनों से चल रहा मानसिक तनाव कम होगा। परिवार के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा। आर्थिक परेशानियां काफी हद तक कम हो जाएंगी।

वृषभ : शुभ संकल्पों के साथ शुरू किया गया काम सफल होगा। मानसिक शारीरिक ताकत फिर से प्रबल होगी। अर्थव्यवस्था में सुधार आएगा। पैसों की बचत होने लगेगी। नौकरी और बिजनेस में बदलाव लाभदायक रहेगा। पारिवारिक और दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। प्रेम प्रकरणों में लाभ होगा। रोगों से मुक्ति का समय है।

मिथुन : सप्ताह की शुरुआत शुभ समाचार से होने जा रही है। यह पूरा सप्ताह आपके उत्साह और उमंग को बढ़ाने वाला रहेगा। पुराने सारे झंझटों से राहत मिलेगी। परिवार के सहयोग से सुखद जीवन व्यतीत करेंगे। मानसिक और शारीरिक रूप से कोई कष्ट नहीं रहेगा। आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा।

कर्क : आपके धैर्य और संयम का शुभ फल प्राप्त होने वाला है। किसी विशेष प्रयोजन से की गई यात्रा लाभ देगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर विवादों से बचने की कोशिश करना है। कारोबारियों को कार्य विस्तार से लाभ होगा। भूमि, संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। मानसिक स्थिति शांतिपूर्ण रहेगी। स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

सिंह : यह सप्ताह सुखद रहेगा। परेशानियां आएंगी लेकिन बहुत कम हो जाने से उनका पता नहीं लगेगा। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी और कारोबारियों को कार्य में अधिक समय देना होगा। विद्यार्थी वर्ग को अधिक मेहनत करनी होगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होने जा रही है।

कन्या : परेशानियां कम होंगी लेकिन पूरी तरह समाप्त नहीं होंगी। शारीरिक रूप से कमजोर महसूस करेंगे। आर्थिक स्थिति के लिए समय अच्छा है। पैसों की आवक होगी। भौतिक सुखों में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। पारिवारिक जीवन में अनुकूलता रहेगी। स्थितियां आपके वश में रहेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला : सप्ताह के प्रारंभ में कोई विवाद सामने आ सकता है। परिवारजनों से किसी बात को लेकर मतभेद रहेगा, लेकिन वह जल्द ही सुलझ जाएगा। मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। नौकरीपेशा और कारोबारी लोगों के लिए सप्ताह सामान्य रहेगा। आर्थिक परेशानियां कम होंगी और पैसों की बचत करने का समय रहेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

वृश्चिक : अपने अहंकार का त्याग कर देंगे तो एक अच्छे इंसान बन सकते हैं। जो लोग आपके विरोध में हैं वो भी आपके पक्ष में आ जाएंगे। नौकरीपेशा को तरक्की मिलेगी। कारोबारियों को कार्य विस्तार करने का मौका मिलेगा। मां, बहन, मौसी से कोई उपहार मिल सकता है। विद्यार्थियों को बड़ी सौगात मिल सकती है।

धनु : आपके लिए समय संभलकर चलने का है। किसी विवाद में न पड़ें। जो जैसा चल रहा है, चलने दें। ज्यादा भागदौड़ करने की आवश्यकता नहीं है। परेशानियां आएं तो उनका सामना साहस से करें। मित्रों और परिवार का पूरा सहयोग प्राप्त रहेगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। आर्थिक कमी दूर होगी। नौकरी में तरक्की, कारोबार में लाभ होगा।

मकर : पुराने समय से चली आ रही कुछ परेशानियां इस सप्ताह दूर होंगी। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलेगी। बिजनेस में उतार-चढ़ाव के बावजूद ठीक ठाक स्थिति में रहेंगे। परिवार का सहयोग रहेगा। नए प्रेम संबंध बन सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

कुंभ : आपके लिए अच्छा समय है। अपनी जरूरतें और आकांक्षाएं पूरी कर सकते हैं। मानसिक शांति प्राप्त होगी। पुराने समय से चली आ रही परेशानियां कम होंगी। परिवार में कोई अस्वस्थ है तो वह ठीक हो जाएगा। पूरा परिवार साथ रहेगा और अच्छा तालमेल रहेगा। आपसी समझ से दांपत्य जीवन बेहतर रहेगा।

मीन : सप्ताह शुभ है। आपके सारे अटके हुए काम बन जाएंगे। कोई बड़ी परेशानी नहीं आने वाली है। आर्थिक दृष्टि से मजबूत रहेंगे। नौकरी में तरक्की मिलेगी। बिजनेस में लाभ के अवसर आएंगे। परिवारजनों के साथ रहने से वक्त सुखद बन जाएगा। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। भूमि, संपत्ति, वाहन खरीदने के योग बनेंगे।

चुटकुले

जीजा जी बादाम खा रहे थ...
साली - मुझे भी टेस्ट कराओ
जीजा ने एक बादाम साली को दे दिया...
साली - बस एक?
जीजा - हां, बाकी सबका भी ऐसा ही टेस्ट है

सास ने बहू से पूछा- तुम्हारी शैक्षणिक योग्यता क्या है?
बहू - नेत्र नेत्र चाय।
सास - क्या मतलब?
बहू - आई आई टी।

कोरोना-सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हरकत में आए राज्य, अनाथ हुए बच्चों को कहीं पेंशन तो कहीं मुआवजे की घोषणा

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर ने भारत के लिए कठिन परिस्थिति उत्पन्न कर दी। रोज लाखों मामले सामने तो आए ही, अब तक तीन लाख से अधिक लोगों की जान भी जा चुकी है। कोरोना से प्रभावितों में वे बच्चे भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने माता-पिता को खो दिया। सबसे पहले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इनकी चिंता की और पांच हजार रुपए पेंशन देने की घोषणा की।

कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी राज्यों को निर्देश जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना में अनाथ हुए बच्चों की जरूरतों की देखभाल राज्य सरकारें करें। कोर्ट ने राज्यों को निर्देश दिया कि वह ऐसे बच्चों की शिनाख्त करे, जिन्होंने देशव्यापी लॉकडाउन लगने के बाद या तो अपने माता-पिता या फिर कमाने वाले परिजन को खो दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने ऐसे बच्चों को पांच लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। इसके अलावा महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ बैठक में उन बच्चों के लिए एक नीति तैयार करने के लिए कहा, जिन्होंने कोरोना के कारण माता-पिता को खो दिया है। ठाकरे ने ऐसे बच्चों की परवरिश और शिक्षा के प्रावधान की चिंता करने की बात कही है।

बिहार में हर महीने 1000 रुपए देगी सरकार

बिहार सरकार ने उन सभी बच्चों की सहायता करने के लिए आगे आई है, जो कोरोना के कारण अनाथ हो गए हैं। अनाथ हुए सभी बच्चों को सरकार 18 साल के होने तक हर महीने एक हजार रुपये सहायता के तौर पर देगी। यह राशि समाज कल्याण विभाग की तरफ से बच्चों को दी जाएगी। बच्चों को मदद पंहुचाने के लिए समाज कल्याण विभाग ने सभी जिलाधिकारियो को आवेदन लेने का निर्देश जारी किया है।

कोरोना से मौत पर सरकार देती है 4 लाख रुपए का मुआवजा? जानें क्या है सच्चाई

कोरोना वायरस का संक्रमण तो फैल ही रहा है, साथ में देश में अफवाहें भी उससे अधिक रफ्तार में फैल रही हैं। कोरोना से बचने का उपाय मिल गया है कि वैक्सीन लगाने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने और मास्क पहनने से हम इस पर काबू पा सकते हैं। मगर अफवाहों को फैलने से रोकने का अब तक कारगर हथियार नहीं मिल पाया है। इसी कड़ी में सोशल मीडिया पर एक दावा किया जा रहा है कि कोरोना से मौत होने पर सरकार करीब 4 लाख का मुआवजा देती है और उसका एक फॉर्म भी वायरल हो रहा है। तो चलिए जानते हैं इस वायरल दावे के पीछे की सच्चाई। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक फर्जी फॉर्म वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत कोरोना के कारण मृत्यु होने पर ₹4,00,000 की सहायता देने का प्रावधान है। लोग इस दावे को सच मान रहे हैं और इसे धड़ल्ले से शेयर भी कर रहे हैं। मगर हकीकत यह है कि यह दावा पूरी तरह से फर्जी है।

पीआईबी की फैक्ट चेक टीम ने अपनी इस पड़ताल में यह पाया है कि यह दावा पूरी तरह से फर्जी है। उसने कहा है कि राज्य आपदा मोचक निधि (SDRF) के अंतर्गत स्वीकृत मानदंडों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। अब यह बात जब साबित हो गई है कि यह दावा फर्जी है तो इसे शेयर करने से आप भी बचें। देश में कोरोना का ग्राफ देश में एक दिन में कोविड-19 के 1,73,790 नए मामले सामने आए जो पिछले 45 दिनों में सबसे कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह तक के आंकड़ों के मुताबिक संक्रमण से प्रभावित होने वाले लोगों की कुल संख्या 2,77,29,247 हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक रोजाना की संक्रमण दर घटकर 8.36 प्रतिशत पर आ गई है और लगातार पांच दिनों से 10 प्रतिशत से कम दर्ज की जा रही है जबकि संक्रमण की साप्ताहिक दर 9.84 प्रतिशत दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों में 3,617 लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या 3,22,512 पर पहुंच गई है।

ऑक्सीजन कंसंट्रेटर केस-दिल्ली पुलिस ने कहा- नवनीत कालरा ने 'व्हाइट कॉलर क्राइम' किया, उसे जमानत न दी जाए

दिल्ली पुलिस ने शनिवार को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स की जमाखोरी और कालाबाजारी मामले में आरोपी कारोबारी नवनीत कालरा ने की जमानत याचिका का विरोध करते हुए एक अदालत को बताया कि कालरा ने 'व्हाइट कॉलर क्राइम' को अंजाम दिया और मृत्यु शैय्या पर लेटे मरीजों को अत्यधिक दामों पर मेडिकल उपकरण बेचकर मुनाफा कमाया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कालरा की जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया। हाल ही में एक छापे के दौरान कालरा के तीन रेस्टोरेंट्स - खान चाचा, टाउन हॉल तथा नेगे एंड जू से कोविड-19 मरीजों के इलाज में इस्तेमाल होने वाले 524 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बरामद किए गए थे। कालरा मालिक तीन जून तक न्यायिक हिरासत में है। मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गर्ग ने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स की कथित जमाखोरी करने और उन्हें ऊंचे दामों पर बेचने के लिए 17 मई को गिरफ्तार किए गए कालरा की जमानत अर्जी पर सुनवाई की। दिल्ली पुलिस की तरफ से पैरवी कर रहे अतिरिक्त लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने अदालत को बताया कि आरोपी की मंशा लोगों को ठगने और मुनाफा कमाने की थी। यह व्हाइट कॉलर क्राइम (समाज में ऊंची हैसियत व सम्मान रखने वाले शख्स द्वारा किया गया अपराध) है। उसने मृत्यु शैय्या पर पड़े जरूरतमंद लोगों को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बेचे।

श्रीवास्तव ने कालरा की जमानत याचिका खारिज करने का अनुरोध किया।

नवनीत कालरा ने कोर्ट से कहा- मेरा ठगने का इरादा नहीं था दिल्ली पुलिस ने यह टिप्पणियां तब की है जब एक दिन पहले कालरा ने वरिष्ठ वकील विकास पहवा के जरिये अदालत को बताया कि उसकी लोगों को ठगने की आपराधिक मंशा नहीं थी और उसे मुकदमे की सुनवाई से पहले हिरासत में नहीं रखा जा सकता।

ड्राइव-थ्रू वैक्सीनेशन कैंप में दुपहिया सवार और पैदल आए लोगों को नहीं लगाया टीका, नाराज लोग हंगामा कर धरने पर बैठे

गुरुग्राम में कोरोना वैक्सीन लगाने के लिए एमजी रोड के मेगा सिटी मॉल में लगाए गए ड्राइव-थ्रू कैम्प के बाहर लोगों ने हंगामा कर दिया और मॉल के बाहर ही धरने पर बैठ गए। इस हंगामे के चलते टीका लगवाने आए लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, गुरुग्राम में 18 से 44 साल की उम्र वाले लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाने के लिए शनिवार को एमजी रोड के मेगा सिटी मॉल में पहला ड्राइव-थ्रू कैम्प लगाया गया है। कैम्प में गाड़ियों के अलावा दुपहिया वाहन और पैदल आए लोग भी टीका लगवाने पहुंचे थे। वैक्सीन लगवाने के लिए केवल गाड़ियों में आए लोगों को ही मॉल में प्रवेश दिया गया, जबकि दुपहिया वाहन और पैदल आए लोगों को बाहर ही रोक दिया गया। टीकाकरण में भेदभाव का आरोप लगाते हुए नाराज लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया और मॉल के बाहर गेट पर ही धरने पर बैठ गए। सड़क पर बैठकर हंगामा कर रहे लोगों ने गाड़ी वालों को भी अंदर नहीं जाने दिया।

PM को इंतजार करवाने पर शिवराज ने ममता पर बोला हमला, कहा- दीदी का आचरण बंगाल के लोगों का अपमान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में पश्चिम बंगाल में चक्रवाती तूफान यास से हुई तबाही की समीक्षा बैठक में लेट पहुंचने पर ममता बनर्जी घिरतीं जा रही हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई चक्रवात की समीक्षा बैठक में ममता बनर्जी के व्यवहार को लेकर उन पर हमला बोला और कहा कि उनका आचरण बंगाल के लोगों का अपमान है। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, 'पीएम मोदी जी भारत के प्रधानमंत्री हैं। पूरा देश उन्हें फॉलो करता है। वह लोगों की भलाई और चक्रवात से प्रभावित लोगों का हाल-चाल जानने के लिए बंगाल गए थे। ममता दीदी का आचरण बंगाल के लोगों का अपमान है।' शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में यास तूफान से हुई तबाही का जायजा लेने के लिए पश्चिमी मेदिनीपुर जिले में कालाईकुंडा में एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में ममता बनर्जी को भी आना था। हालांकि, वह करीब तीस मिनट की देरी से आईं और फिर साइक्लोन से हुए नुकसान की रिपोर्ट थमा कर चली गईं।

हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंतजार कराने और मीटिंग के दौरान चले जाने पर ममता बनर्जी ने सफाई दी और कहा, 'पीएम नरेंद्र मोदी ने मीटिंग बुलाई थी। मुझे इस बात की जानकारी नहीं थी और इस दौरान मेरी दीघा में मीटिंग थी। मैंने उन्हें रिपोर्ट सौंपी और 20,000 करोड़ रुपये की मदद की मांग की। 10,000 करोड़ रुपये की मदद दीघा के विकास के लिए और इतनी ही रकम सुंदरबन के विकास के लिए मांगी।' ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने पीएम नरेंद्र मोदी से अनुमति लेने के बाद मीटिंग को छोड़ा था। उन्होंने कहा, 'मैंने पीएम नरेंद्र मोदी को बताया कि मेरी राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ मीटिंग है। इसके बाद मैंने उनसे परमिशन ली और मीटिंग से बाहर निकली।' बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि वह शनिवार को राज्य में यास तूफान से हुए नुकसान का जायजा लेंगी।

जयपुर: संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटके मिले युवक युवती के शव, मचा हड़कंप

भरतपुर में डबल मर्डर के बाद शनिवार को जयपुर में दो लोगों के फांसी पर झूलने का मामला सामने आया है। राजधानी जयपुर में जामडोली इलाका के जंगल में एक युवक और एक युवती का शव पेड़ से लटका मिला है। मामले की जांच करने के लिए पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। शवों की पहचान आधार कार्ड के जरिए कोटखावदा निवासी शंकरलाल मीणा और सीता बैरवा के रूप में की गई है। घटना आज सुबह की है और स्थिति को देकर यह मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है। बता दें कि दोनों शवों को कटीली पेड़ की झाड़ियों से लटकाया गया है। शवों के नीचे पेड़ की कटीली झाड़ियां बिछी हुई थी। मृतकों के परिजनों को इस बात की सूचना दी गई है। पुलिस मामले से जुड़ी सभी जानकारी जुटाने में लग गई है। मृतकों के शव को पेड़ से नीचे उताड़कर मोर्चरी भेज दिया गया है। एसपी सुरेश सांखला ने घटनास्थल का जायजा लिया और शवों को मोर्चरी में रखने के लिए जयपुर रवाना हो गए हैं। पुलिस ने घटना के बारे में परिजनों को सूचित कर बुला लिया है।

इससे पहले शुक्रवार को दो बदमाशों ने एक डॉक्टर दंपति की दिनदहाड़े बीच सड़क पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई जिसके आधार पर पुलिस जांच मं जुट गई है। डॉक्टर दंपति मर्डर मामले में आईजी प्रसन्न कुमार खमेसरा ने कहा कि 'चिकित्सक दंपति के मर्डर के आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यह मामला 2 वर्ष पूर्व भरतपुर के सूर्या सिटी के एक मकान में चिकित्सक दंपति द्वारा एक महिला और उसके बच्चे को जलाकर मारने का है। डॉक्टर और मृतक महिला दीपा गुर्जर का एक-दूसरे के साथ संबंध था। दोनों आरोपियों की पहचान कर ली गई है। एक आरोपी मृतक महिला दीपा गुर्जर का भाई है वहीं दूसरा आरोपी धौलपुर का रहने वाला बदमाश है।' पिछले 24 घंटे के अंदर यह दूसरा ऐसा मामला सामने आया है।

कोरोना से ठीक हुए बच्चों में सामने आ रही यह बीमारी, जानें क्या है लक्षण

बच्चों में मल्टी-सिस्टम इनफ्लेमेशन सिंड्रोम से आशय ऐसी स्थिति से है जिसमें उन्हें बुखार आता है और शरीर के महत्वपूर्ण अंग जैसे हार्ट, फेफड़ों और ब्रेन में सूजन हो जाती है। 6 महीने से लेकर 15 साल के बच्चे में यह बीमारी हो रही है।

- दिल्ली-एनसीआर में MSI-C के 177 मामले सामने आए
- 5 से 15 साल के बच्चों के बीच आ रहे सबसे अधिक केस
- सांस लेने में तकलीफ, पेट दर्द भी बीमारी के लक्षण में शामिल

नई दिल्ली, कोरोना से रिकवर करने वाले बच्चों में अब मल्टी-सिस्टम इनफ्लेमेटरी सिंड्रोम (MSI-C)अब एक नई चुनौती के रूप में सामने आ रहा है। दिल्ली-एनसीआर में ही मल्टी-सिस्टम इनफ्लेमेटरी सिंड्रोम के 177 मामले सामने आए हैं। इनमें से भी अकेले दिल्ली में ही 109 केस हैं। राजधानी के अलावा गुड़गांव और फरीदाबाद में 68 मामले सामने आए हैं। इस बीमारी की चपेट में 6 महीने से लेकर 15 साल तक के बच्चे आ रहे हैं। हालांकि, 5 से 15 साल के एज ग्रुप में इसके अधिक मामले देखने को मिले हैं।

बुखार, सांस लेने में तकलीफ हैं शुरुआती लक्षण

गंगा राम अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. धीरेन गुप्ता ने बताया कि कोरोना संक्रमण से अधिक प्रभावित बच्चों में दो तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। बच्चों में निमोनिया या फिर एंडीबॉडी से संबंधित इनफ्लेमेशन (MSI-C) देखने के मिल रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि बच्चों में मल्टी-सिस्टम इनफ्लेमेशन सिंड्रोम से आशय ऐसी स्थिति से है जिसमें उन्हें बुखार आता है और शरीर के महत्वपूर्ण अंग जैसे हार्ट, फेफड़ों और ब्रेन प्रभावित होते हैं। तीन से पांच दिनों तक बुखार, पेट में तेज दर्द, ब्लड प्रेशर में अचानक गिरावट और दस्त हैं

पहली लहर में आए थे करीब 2000 केस

डॉक्टरों का कहना है कि कोरोना से रिकवर हो चुके बच्चों के माता-पिता को अधिक सजग रहने की जरूरत है। यदि समय पर इस बीमारी का पता लग जाए तो इसका इलाज संभव है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडिएट्रिक्स इंटेंसिव केयर चैप्टर की तरफ से जारी डेटा के अनुसार कोरोना की पहली लहर में देशभर में MIS-C के दो हजार केस दर्ज किए गए थे।

पटना में बच्चों की कोरोना वैक्सीन का ट्रायल

देश में बच्चों पर कोरोना वैक्सीन (Corona vaccine) के ट्रायल की शुरुआत हो चुकी है। पटना एम्स में 2 से 18 साल तक के बच्चों पर कोवैक्सीन का ट्रायल किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, फर्स्ट फेज में 50 बच्चों पर वैक्सीन का ट्रायल होगा। जबकि थर्ड फेज में 550 बच्चों का लक्ष्य रखा गया है। ट्रायल में आने वाले सभी बच्चों की आरटीपीसीआर और एंटीबॉडी जांच की जाएगी

यूपी में 1 जून से हटेगा लॉकडाउन! कोरोना कर्फ्यू में छूट का स्वास्थ्य मंत्री ने किया इशारा

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामलों में गिरावट के बाद लॉकडाउन में छूट के संकेत मिल रहे हैं। माना जा रहा है कि एक जून से प्रदेश में थोड़ी ढील दी जा सकती है। यूपी के स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने कोरोना कर्फ्यू में ढील की ओर साफ इशारा किया है। बताते चलें कि अभी 31 मई तक के लिए प्रदेश में कोरोना कर्फ्यू लागू है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने कहा, 'हमारे यहां कोरोना के मामलों की संख्या काफी कम हो चुकी है। इसलिए आंशिक कोरोना कर्फ्यू में कुछ ढील हो सकती है।' इस बीच कोरोना को लेकर राहत की खबर है। बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में करीब 2200 नए मामले सामने आए हैं। यह आंकड़ा तब है जबकि 3.30 लाख कोविड टेस्ट किए गए हैं। वहीं प्रदेश में कोरोना से रिकवरी रेट अब 96.1% तक पहुंच गया है।

लखनऊ में 2 महीने के बाद 150 पहुंचा आंकड़ा

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक यूपी में एक दिन में सबसे ज्यादा 38,055 कोरोना केस 24 अप्रैल को सामने आए थे। इसके साथ ही दैनिक पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 16.80 प्रतिशत पहुंच गया था। वहीं, 26 मई को 3.58 लाख टेस्ट के बावजूद महज 3,371 नए केस सामने आए। वहीं इस अवधि में 10,540 लोग डिस्चार्ज हुए। लखनऊ में करीब दो महीने के बाद कोरोना का आंकड़ा 150 के नीचे पहुंच गया। इससे पहले 21 मार्च को 136 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। वहीं शुक्रवार दोपहर 3 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक लखनऊ में कोरोना के 172 नए मामले मिले थे। साथ ही प्रदेश में कुल 2402 नए पॉजिटिव केस पता चले थे। वहीं प्रदेश में 159 लोगों ने जान गंवाई।

1 जून से छूट की संभावना

प्रदेश में कोरोना के मामलों में कमी की यही रफ्तार रही तो 1 जून से आंशिक कर्फ्यू में थोड़ी राहत मिल सकती है। सूत्रों का कहना है कि जान भी जहान भी नीति के तहत दुकान और काम-धंधे की छूट की सीमा बढ़ाई जा सकती है। वहीं यह भी संभावना है कि वीकेंड और नाइट कर्फ्यू की व्यवस्था फिर से लागू कर दी जाए। फिलहाल राज्य में 31 मई की सुबह 7 बजे तक आंशिक कोरोना कर्फ्यू लागू है। इस दौरान टीकाकरण, औद्योगिक गतिविधियों और चिकित्सा कार्य जैसी जरूरी सेवाओं को छूट दी गई है।

टी-20 विश्व कप से लेकर आईपीएल 2021 के यूएई शिफ्ट होने तक, जानें BCCI एसजीएम की चार बड़ी बातें

बीसीसीआई ने स्पेशल जनरल मीटिंग (एसजीएम) में आईपीएल 2021 के बचे हुए मैचों को यूएई शिफ्ट करने का ऐलान कर दिया है। यह मुकाबले सितंबर-अक्टूबर की विंडो में खेले जाएंगे। हालांकि, बीसीसीआई ने बचे हुए मुकाबलों की तारीखों का ऐलान अभी नहीं किया है। मीटिंग में टी-20 विश्व कप को लेकर भी चर्चा की गई। यह माना जा रहा था कि इस मीटिंग में बीसीसीआई पिछले सीजन रद्द हुए रणजी ट्रॉफी के घरेलू क्रिकेटरों को मुआवजा देने पर भी विचार करेगी, लेकिन इस पर कोई बातचीत नहीं हुई है। आइए जानते हैं एसजीएम की चार बड़ी बातें.. यूएई में खेले जाएंगे आईपीएल 2021 के बचे हुए मैच इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के बचे हुए मैचों को यूएई में करवाने के फैसले पर बीसीसीआई ने मुहर लगा दी है। बोर्ड ने यह भी बताया है कि बचे हुए मुकाबलों को सितंबर-अक्टूबर के बीच में करवाया जाएगा। कोरोना के कई मामले सामने आने के बाद 4 मई को बीसीसीआई को आईपीएल 2021 को अनिश्चितकाल समय के लिए स्थगित करने का फैसला करना पड़ा था। इससे पहले भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते साल 2020 में भी आईपीएल का सफल आयोजन यूएई में किया गया था। टी-20 विश्व कप पर फिलहाल फैसला नहीं बीसीसीआई की एसजीएम में यह भी कयास लगाए जा रहे थे कि बोर्ड इस साल भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप को यूएई में शिफ्ट करने की घोषणा कर सकता है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने इस पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। बीसीसीआई ने इस बैठक में तय किया है कि वह आईसीसी से टी-20 वर्ल्ड को लेकर कोई भी फैसला लेने से पहले भारत में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा के लिए इंतजार करने को कहेगी। आईसीसी की बैठक एक जून को होने वाली है। घरेलू खिलाड़ियों के मुआवजे पर नहीं हुई चर्चा पिछले सीजन कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के चलते बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी को रद्द करने का फैसला लिया था। यह माना जा रहा था कि बीसीसीआई एसजीएम में घरेलू क्रिकेटर्स को मुआवजा देने के फैसले पर विचार कर सकती है। हालांकि, इस मुद्दे पर किसी भी तरह की कोई चर्चा नहीं की गई। मीटिंग में मौजूद कई एसोसिएशन में से एक ने इस मुद्दे को चर्चा के लिए उठाया, लेकिन बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने यह कहते हुए ठुकरा दिया कि यह एजेंडे का हिस्सा नहीं है। विदेशी खिलाड़ियों के लिए बोर्ड से बात करेगी बीसीसीआई बीसीसीआई ने मीटिंग में इस बात का भरोसा दिलाया है कि वह विदेशी खिलाड़ियों के आईपीएल में खेलने के लिए उनके बोर्ड से बातचीत करेगा। हाल में ही ईसीबी ने साफ किया था कि इंग्लिश क्रिकेटर्स इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के बचे हुए मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे और वह बांग्लादेश और पाकिस्तान के खिलाफ लिमिटेड ओवर की सीरीज में हिस्सा लेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम लंदन हुई रवाना

अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के मेजबान साउथम्पटन में अनुकूलन के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए लंदन रवाना हो गई। न्यूजीलैंड टीम को इंग्लैंड के खिलाफ लंदन और बर्मिंघम में दो टेस्ट खेलने हैं। पहला टेस्ट दो जून से शुरू होगा। भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 18 से 22 जून के बीच खेला जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने ट्वीट किया, 'न्यूजीलैंड टीम आज लंदन रवाना होगी।' विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की तैयारी के लिए न्यूजीलैंड ने टीम के भीतर ही तीन दिवसीय मैच खेला। आईसीसी ने शुक्रवार को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेलने की शर्तों का खुलासा किया था। इसमें मैच टाई या ड्रॉ रहने पर दोनों टीमों को संयुक्त विजेता चुने जाने का प्रावधान है। फाइनल बाधित होने पर आईसीसी ने 23 जून को रिजर्व डे के रूप में रखा है। रिजर्व डे का उपयोग करना है या नहीं, इसका अंतिम फैसला पांचवें दिन के आखिरी घंटे का खेल शुरू होने पर किया जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में कई अन्य बदलाव भी देखने को मिलेंगे। इसमें टीवी अंपायर द्वारा रियल टाइम में शॉर्ट रन की जांच करना, एलबीडब्ल्यू रेफरल के लिए बढ़ाई गई मार्जिन की ऊंचाई शामिल है। इसके अलावा फील्डिंग करने वाली टीम के कप्तान या बर्खास्त बल्लेबाज भी अंपायर से पुष्टि कर सकता है कि क्या एलबीडब्ल्यू के लिए खिलाड़ी के रेफरल लेने के फैसले से पहले गेंद को खेलने का वास्तविक प्रयास किया गया था या नहीं।

श्रीलंका के खिलाड़ियों पर भड़के अरविंद डिसिल्वा, बोले- पहले मैच जीतो फिर शिकायत करो

श्रीलंका के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज अरविंद डिसिल्वा ने राष्ट्रीय टीम के क्रिकेटरों से कहा है कि वे शिकायत करने की बजाय मैच जीतने पर ध्यान दें। उन्होंने अपनी अध्यक्षता वाली समिति द्वारा प्रस्तावित खिलाड़ियों के सालाना कॉन्ट्रैक्ट को भी सही ठहराया है। श्रीलंकाई टीम का हाल के दिनों में प्रदर्शन भी खराब रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में उसे 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। डिसिल्वा ने कहा कि सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को खिलाड़ियों द्वारा खारिज किया जाना अनुचित है क्योंकि शीर्ष टीमों के खिलाफ सीरीज जीतने पर बोर्ड अधिक राशि दे रहा है। उन्होंने कहा, "यह गलत है कि हमारे खिलाड़ी कॉन्ट्रैक्ट को खारिज कर रहे हैं। सबसे अहम बात यह है कि उन्हें शिकायतें करने की बजाय अच्छा खेलने और सीरीज जीतने पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने डेली न्यूज से कहा, "सकारात्मक रवैये से उन्हें अधिक फायदा होगा जैसे क्षेत्र की दूसरी टीमों को होता है।

T20 वर्ल्ड कप से पहले रिकी पोंटिंग ने बताया, क्या है ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी कमजोरी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि आगामी टी20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के पास भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी या हरफनमौला हार्दिक पांड्या जैसा कोई फिनिशर नहीं है। पोंटिंग का यह भी मानना है कि मध्यक्रम या निचले क्रम का का कोई विश्वस्त बल्लेबाज मिल जाए जो विकेटकीपिंग भी कर सके तो एक तीर से दो शिकार हो जाएंगे। पोंटिंग ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, "ऑस्ट्रेलिया के लिए फिनिशर की भूमिका हमेशा चिंता का विषय रही है। इसके लिए विशेषज्ञ चाहिए जो तीन या चार ओवर खेल सके और 50 रन भी बना सके। धोनी ने अपने पूरे कैरियर में यह काम किया है और वह इसमें बेहतरीन है। हार्दिक पांड्या और कीरोन पोलार्ड भी इस श्रेणी में आते हैं जो देश के लिए और आईपीएल टीम के लिए मैच जीत सकते हैं। वे इस स्थान पर खेलने के आदी हैं।" आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कोच रहे पोंटिंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के पास अच्छा फिनिशर इसलिए भी नहीं है क्योंकि उसके सभी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बिग बैश लीग में शीर्ष चार स्थान पर खेलते हैं। उन्होंने आगे कहा, "क्या ग्लेन मैक्सवेल या मिशेल मार्श यह काम कर सकते हैं या मार्कस स्टोइनिस। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा चिंता का सबब यही है। स्टोइनिस दिल्ली कैपिटल्स के लिए निचले क्रम पर बल्लेबाजी करके कामयाब रहे हैं। " पोंटिंग ने आगे कहा कि मैने पिछले साल स्टोइनिस को दिल्ली के लिए बल्लेबाजी करते देखा। उसने बिग बैश लीग के कुछ मैचों में पारी का आगाज करके मेलबर्न स्टार्स के लिए अच्छा प्रदर्शन किया

लेकिन मुझे ऐसा बल्लेबाज चाहिए जो फिनिशर की भूमिका निभा सके और उसने दिल्ली कैपिटल्स को दो तीन मैच अपने बल्ले के दम पर जिताए। टी20 वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर में भारत में होना है।

कोरोना वायरस से भी पर्वतारोहियों का माउंट एवरेस्ट फतह करने का जज्बा नहीं हो रहा कम

कोरोना वायरस महामारी के कारण माउंट एवरेस्ट पर्वतारोहण के लिए बंद होने के एक साल बाद सैकड़ों पर्वतारोही दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत शिखर पर चढ़ने के लिए अनुकूल कुछ ही दिन बाकी रहते हुए आखिरी कोशिश कर रहे हैं और आधार शिविर में महामारी फैलने की खबरें भी उनके जज्बे को कम नहीं कर पायी हैं। लोगों के बीमार पड़ने की खबरों के बाद इस महीने एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले तीन दलों ने अपना अभियान रद्द कर दिया था लेकिन बाकी के 41 दलों ने मई में खत्म होने वाले मौसम से पहले पर्वतारोहण का फैसला किया। मई के बाद खराब मौसम के कारण पर्वतारोहण अभियान बंद करना पड़ता है। एवरेस्ट पर पर्वतारोहण के सबसे बड़े संचालक 'सेवन समिट ट्रेक्स के मिंगपा शेरपा ने कहा, "कोरोना वायरस के एवरेस्ट के आधार

शिविर पहुंचने के बावजूद इसका ऐसा कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है जैसा कि बाहर कहा जा रहा था। कोविड के कारण कोई भी इतना गंभीर बीमार नहीं हुआ या नहीं मरा जैसे कि अफवाहें फैलायी जा रही हैं। नेपाली अधिकारियों ने भी माउंट एवरेस्ट पर कोरोना वायरस के मामले आने की खबरों को खास तवज्जो नहीं दी। प्रधानमंत्री के पी ओली ने कहा, ''कई लोग आधार शिविर जाते हैं और ऐसा संभव है कि यहां से वहां जाने वाले लोग संक्रमित हो गए हो। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि कोरोना वायरस संक्रमण पूरे पर्वत पर पहुंच गया है, शायद यह आधार शिविर के किसी हिस्से या उससे नीचे के इलाके में फैला होगा।" अप्रैल में एवरेस्ट के आधार शिविर में सबसे पहले नॉर्वे के एक पर्वतारोही के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने की खबर मिली थी। उसे हेलीकॉप्टर से काठमांडू लाया गया जहां उसका इलाज किया गया और बाद में वह स्वदेश लौट गया। ऑस्ट्रिया के प्रतिष्ठित गाइड लुकास फर्टेनबाच ने टीम के सदस्यों के बीच कोरोना वायरस संक्रमण फैलने के बाद इस महीने अपना अभियान रोकने और अपने साथियों को वहां से निकालने का फैसला किया था। एवरेस्ट से लौटने के बाद उन्होंने अनुमान जताया था कि 100 से अधिक पर्वतारोही और सहयोगी स्टाफ संक्रमित हो चुका है। चीन ने नेपाल से संक्रमण फैलने की आशंका के कारण अपनी सीमा की ओर से एवरेस्ट पर चढ़ाई पिछले हफ्ते रद्द कर दी थी।

भारत के RAW को फंसाना चाहता था पाकिस्तान, पर कोर्ट में 'आतंक का आका' हो गया फेल, जानें कैसे?

आतंक का आका पाकिस्तान भले ही भारत को बदनाम करने की लाख कोशिशें कर ले, मगर उसकी नापाक हरकतों से दुनिया वाकिफ हो ही जाती है। कराची में चीनी वाणिज्य दूतावास में हुए हमले में पाकिस्तान, भारत को फंसाने की साजिश रच रहा था, मगर वह अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाया है। दरअसल, नवंबर 2018 में कराची स्थित चीनी वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले से संबंधित एक मामले में भारत की कथित 'भूमिका' को साबित करने में पाकिस्तान विफल रहा है। बता दें कि इस अटैक में चार लोग मारे गए थे। आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) पाकिस्तान ने 26 मई को कराची में चीनी वाणिज्य दूतावास पर हमले में विद्रोही समूह बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के संदिग्ध सदस्यों के खिलाफ गवाह पेश करने में अभियोजन की विफलता पर नाराजगी व्यक्त की। बता दें कि इसी संगठन पर कराची में चीन के वाणिज्यिक दूतावास पर हमले के आरोप भी लगे हैं। द न्यूज इंटरनेशनल ने रिपोर्ट किया कि दर्ज चार्जशीट के अनुसार, आरोप है कि पाकिस्तान और चीन के बीच संबंधों को नुकसान पहुंचाने और चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर प्रोजेक्ट को बाधित करने के लिए भारत के रिसर्च एंड एनालिसिस विंग यानी रॉ के साथ मिलकर विद्रोही समूह बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) द्वारा हमला किया गया था। एटीसी-सातवीं जज ने मामले के जांच अधिकारी (आईओ) को आदेश दिया कि शिकायतकर्ता की 7 जुलाई को अदालत कक्ष में उपस्थिति सुनिश्चित की जाए क्योंकि वह सम्मन जारी होने के बावजूद चार पिछली सुनवाई में पेश नहीं हुआ है। कोर्ट ने इसी साल जनवरी में पांच लोगों पर अपराधियों को हथियार, ठिकाने और नकदी मुहैया कराने का दोषी ठहराया था। भारी हथियारों से लैस तीन आतंकवादियों ने 23 नवंबर, 2018 को क्लिफ्टन स्थित चीनी वाणिज्य दूतावास पर हमले को अंजाम दिया था।

इस हमले में सुरक्षाकर्मियों और वीजा चाहने वालों समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। बाद में हमलावरों की पहचान अब्दुल रज्जाक, रईस बलूच और अजल बलूच के रूप में हुई थी। ये सबी पुलिस के मुठभेड़ में मारे गए थे। इनके पास से भारी संख्या में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक मिले थे। आरोपी

अहमद हसनैन, मुहम्मद असलम, नादिर खान, अली अहमद और अब्दुल लतीफ को आतंकवाद निरोधी विभाग ने कथित तौर पर हमले में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। जांच अधिकारी के मुताबिक, लतीफ और असलम ने गिरफ्तारी के एक हफ्ते बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। संदिग्ध आरोपियों के अलावा, पुलिस ने बीएलए प्रमुख हिरबेयर मारी और अन्य नेताओं करीम मारी, बशीर ज़ैब, असलम बलूच, नूर बख्श मेंगल, रहमान गुल, निसार, गैंडी, शेखू शरीफ, हमाल, आगा शेर दिल और मुंशी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया था। इस मामले में सभी को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। इन भगोड़ों के लिए गिरफ्तारी का स्थायी वारंट जारी करते हुए एटीसी ने पहले पुलिस को निर्वासन में रह रहे बीएलए चीफ हिरबेयर की गिरफ्तारी के लिए इंटरपोल से संपर्क करने का आदेश दिया था, जिस पर आरोप है कि उसने कथित तौर पर विदेशी से ही हमले की साजिश रची थी। रिपोर्ट के मुताबिक, चार्जशीट में कहा गया है कि आतंकवादियों ने चीनी वाणिज्य दूतावास की इमारत पर धावा बोल दिया और फायरिंग करना और हथगोले फेंकना शुरू कर दिया, जिसमें सहायक उप-निरीक्षक अशरफ दाऊद और पुलिस कांस्टेबल मुहम्मद आमिर की मौत हो गई, जो पहले चेकपोस्ट पर सुरक्षा ड्यूटी कर रहे थे।

कर्मचारियों के साथ गुलामों जैसा बर्ताव करती थी चीनी कंपनी, अमेरिका ने उठाया यह कदम

वॉशिंगटन, अमेरिका ने चीन को एक और झटका दिया है।

अमेरिकी सरकार ने उस चीनी कंपनी से सीफूड के आयात पर शुक्रवार को रोक लगा दी,

जिस पर चालक दल के सदस्यों को गुलाम की तरह काम करने के लिए विवश करने का आरोप है। इसके चलते पिछले साल कई इंडोनेशियाई मछुआरों की मौत हो गई थी। चीनी कंपनी ने कर्मचारियों को 18 घंटे तक काम करने को विवश किया।

सीमा शुल्क तथा सीमा संरक्षण विभाग ने कहा कि वह डालियन ओशियन फिशिंग के 30 से अधिक जहाजों से जुड़े किसी भी आयात पर तत्काल रोक लगाएगा।

विभाग ने बताया कि वह अमेरिका के उस कानून के तहत यह रोक लगाएगा जिसमें ऐसे उत्पाद पर पाबंदी लगाने का प्रावधान है जिनका उत्पादन गुलाम जैसी स्थितियों में काम कर रहे श्रमिकों ने किया है।

गृह मंत्री एलेजांद्रो मेयरकास ने पत्रकारों से कहा, 'हम जबरन मजदूरी से उत्पादित किसी भी वस्तु को स्वीकार नहीं करेंगे।'

इंडोनेशियाई सरकार ने मई 2020 में इस कंपनी पर उसके मछुआरों के साथ 'अमानवीय' बर्ताव करने का आरोप लगाया था। उसने कहा कि उसके दर्जनों मछुआरों को एक दिन में 18 घंटे तक काम करने के लिए विवश किया गया और उन्हें कोई मेहनताना भी नहीं दिया या पहले से तय राशि से कम वेतन दिया।

उसने आरोप लगाया कि इन परिस्थितियों में काम करते हुए बीमार होने के कारण कम से कम तीन मछुआरों की मौत हो गई।

'हीरोपंती 2' में टाइगर श्रॉफ को टक्कर देंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी, विलन के रोल में आएंगे नजर!

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फैंस के लिए गुड न्यूज आई है। खबर है कि टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'हीरोपंती' के सीक्वल 'हीरोपंती 2' में नवाज विलेन की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि इस बारे में नवाज या फिल्म की टीम की तरफ से ऑफिशियल घोषणा बाकी है। रिपोर्ट की बात सच साबित होती तो दर्शकों को एक बार फिर से नवाज का खलनायक रूप देखने को मिलेगा, ऐसे किरदार करने में तो वैसे भी नवाजुद्दीन को महारत

हासिल है। आपको याद दिला दें कि नवाजुद्दीन 'हीरोपंती 2' से पहले टाइगर के साथ फिल्म 'मुन्ना माइकल' में काम कर चुके हैं। टाइगर -नवाज को आमने-सामने देखना दिलचस्प होगा फिल्मफेयर के मुताबिक नवाजुद्दीन 'हीरोपंती 2' से जुड़ गए हैं। उन्हें विलेन की भूमिका के लिए चुना गया है। वह फिल्म के हीरो टाइगर श्रॉफ के साथ दो-दो हाथ करते दिखेंगे। पर्दे पर दोनों को आमने-सामने देखना दिलचस्प होगा। उनके बीच जबरदस्त फाइट सीन होंगे। तारा सुतारिया भी होंगी साथ अहमद खान द्वारा निर्देशित 'हीरोपंती 2' की घोषणा पिछले साल हुई थी और इसकी शूटिंग इस साल की शुरुआत में शुरू हो गई थी। कोरोना महामारी की दूसरी लहर से पहले ही फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो गया था। अहमद खान, टाइगर की 'बागी 2' और 'बागी 3' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

सलमान खान के बाद मीका सिंह से लिया केआरके ने पंगा, सिंगर बोले- 'केस नहीं होगा, झापड़ होगा'

बीते कुछ दिनों से सलमान खान (Salman Khan) और कमाल राशिद खान (Kamal Rashid Khan) खूब चर्चा में बने हुए हैं। सलमान खान की ओर से केआरके (KRK) पर मानहानि का केस किया गया है, जिसके बाद से ट्विटर पर केआरके खूब एक्टिव हो गए हैं और अलग-अलग बातें कह रहे हैं। वहीं इस मामले में सिंगर मीका सिंह की भी एंट्री हो गई है, और उन्होंने कहा कि वो केस नहीं करेंगे, सीधे झापड़ मारेंगे। केआरके का ट्वीट और मीका का जवाब दरअसल सलमान खान को काफी कुछ बोलने के बाद केआरके ने 27 मई को एक ट्वीट किया। अपने ट्वीट में केआरके ने लिखा- 'कल मैं एक लुक्खे सिंगर का भी रिव्यू करूंगा, जो नाक से गाना गाता है।' केआरके के इस ट्वीट पर मीका सिंह ने करारा जवाब देते हुए लिखा- 'हाहाहाहा बेटा तुम कौन हो? ये तुम्हारे पापाजी हैं। हम नाक से गाकर नाक में दम करते हैं। आप कहां से बोलते हो यार वो जगह बताओ, क्योंकि आपकी आवाज में ही बहुत बदबू आती है।

लव यू माई बेबी।'

मीका का वीडियो वायरल

एक ओर जहां मीका सिंह ने ट्विटर पर केआरके को करारा जवाब दिया तो वहीं दूसरी ओर मीका सिंह का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में मीका सिंह कह रहे हैं, 'केआरके पर केस कर सलमान भाई ने बहुत अच्छा किया है। मैं सलमान भाई से नाराज हूं कि उन्होंने इतनी देर से ये फैसला लिया। आप फिल्म के बारे में जरूर बोलो लेकिन पर्सनल अटैक मत करो, ये बिल्कुल मेरा पड़ोसी है, जहां पर मेरा स्टूडियो है। अगर मेरे बारे में कभी भी कुछ भी गलत बोलेगा

तो केस वेस तो नहीं होगा सीधा झापड़ होगा।' मीका को केआरके का जवाब वहीं कुछ देर पहले केआरके ने बिना किसी का नाम लिए एक ट्वीट किया। केआरके ने अपने ट्वीट में लिखा, 'अब एक चिरकुट सिंगर इस मामले में कूद कर पब्लिसिटी चाहता है। लेकिन मैं उसे वो दूंगा नहीं। कूद बेटा, जितना कूदना है... तुझे तो भाव बिलकुल नहीं दूंगा, क्योंकि तेरी औकात ही नहीं है।' हालांकि केआरके ने इस ट्वीट में किसी का भी नाम नहीं लिखा है लेकिन उनका ये ट्वीट मीका सिंह को जवाब माना जा रहा है। क्या है पूरा मामला गौरतलब है कि केआरके का दावा है कि सलमान खान ने फिल्म 'राधे' के निगेटिव रिव्यू के लिए उन पर मानहानि का केस किया। लेकिन सलमान खान की लीगल टीम का कहना है कि केआरके मानहानि के केस की जो वजह बता रहे हैं, वह गलत है। केआरके के खिलाफ मानहानि का केस इसलिए किया गया, क्योंकि उन्होंने सलमान को बदनाम करने के लिए कई तरह के आरोप लगाए हैं। उन्हें भ्रष्ट बताया है और उनकी संस्था बीइंग ह्यूमन पर धोखाधड़ी और पैसों की हेरफेर का आरोप लगाया है।

साफ-साफ दिखता है

मुंबई, अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा पर हालिया फोटोशूट में दीपिका पादुकोण की ड्रेस की कॉपी किए जाने का आरोप लगा है। प्रियंका की मां ने इन आरोपों का मजबूती के साथ खंडन किया है। हाल ही में कराए गए फोटोशूट में प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण की ड्रेस की तुलना एक न्यूज वेबसाइट ने की थी। वेबसाइट ने दोनों ड्रेस को एक जैसी बताया था और पूछा था कि कौन आउटफिट में बेहतर लग रहा है। इस पर प्रियंका की मां मधु चोपड़ा ने ट्वीट किया, 'कोई अंधा ही होगा, जो सोचेगा दोनों ने एक ही आउटफिट पहना है।' प्रियंका हमेशा बेहतरीन पैâशन का उम्दा तरीके से चुनाव करती हैं। मधु के इस रिएक्शन पर लोग हैरानी जता रहे हैं। हालांकि मधु का यह अकाउंट वैरीपाइड नहीं है लेकिन अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इसे फालो करती हैं।

संजय को चाहिए शनाया के ऐब्स

मुंबई, अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर सोशल मीडिया में खासी सक्रिय रहती हैं। शनाया ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। उन्होंने साथ में कैप्शन में लिखा, 'बहुत दिन हो गए हैं।' संजय ने कमेंट करते हुए लिखा, 'आप मुझे ये ऐब्स दे सकती हैं?' अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली, शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, जाह्नवी कपूर की बहन खुशी समेत कई सेलेब्रिटीज ने तस्वीर पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

हुमा नहीं हैं रैट रेस का हिस्सा

मुंबई, एक्ट्रेस उमा कुरैशी हिंदुस्थानी वेब स्पेस के लिए नई नहीं हैं। 'लीला' के बाद, वह एक और वेब सीरीज महारानी के साथ वापस आ गई हैं, जो बिहार में स्थापित एक राजनीतिक पॉटबॉयलर है।

यह उनका लगातार दूसरा प्रोजेक्ट होगा। उन्हें हाल ही में जैक स्नाइडर की जॉम्बी फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' में देखा गया था। हुमा का कहना है कि वे अपने किरदारों को लेकर काफी सेलेक्टिव हैं। उन्होंने बताया कि 'मुझे लगता है कि एक्टर थोड़े विक्षिप्त हैं और वे खुद को अनकंफर्टेबल जोन में रखना पसंद करते हैं। हमारी इंडस्ट्री में क्या होता है कि लोग आपको उसी तरह की भूमिकाओं में देखना चाहते हैं,

जिसमें वे आपको पसंद करते हैं। इसलिए मैं इस बात को लेकर बहुत सावधान रहती हूं कि मेरे प्रोजेक्ट्स के बीच भले ही अंतर हो लेकिन मुझे अपने किरदार को दोहराना नहीं चाहिए।' वे आगे कहती हैं, 'मैंने कभी भी रैट रेस का हिस्सा बनने की इच्छा नहीं की क्योंकि आप जीतकर भी चूहे

ही रहेंगे। मुझे और अधिक काम करने की आवश्यकता क्यों है? मुझे क्या साबित करना है? मुझे कहां जाना है? जब तक मेरा करियर खत्म हो जाए, तब लोगों को मेरी फिल्मोग्राफी देखनी चाहिए और कहना चाहिए कि मैंने अलग-अलग रोल्स किए हैं।

फिल्में सही थीं...फिल्म 'साइना' और 'गर्ल

मुंबई, ऑन द ट्रेन' करने से पहले लोग अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के अभिनय क्षमता पर सवाल उठाते थे लेकिन किसी ने उन फिल्मों की आलोचना नहीं की थी। परिणीति का मानना है कि वो फिल्में सही थीं। उन्होंने कहा है कि तंग आ गई थी सुन-सुनकर कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे रही।

सोशल मीडिया का साथ जरुरी

मुंबई फिल्म 'प्यार का पंचनामा' फेम अभिनेत्री सोनाली सैगल को लगता है कि वर्तमान माहौल में किसी मुद्दे को उठाने के लिए सोशल मीडिया एक दमदार प्लेटफॉर्म है। आम आदमी शिकायत करता है लेकिन कार्रवाई नहीं होती। उसकी आवाज या तो सुनी ही नहीं जाती है या फिर दबा दी जाती है। सोनाली ने खासकर पशुओं के प्रति क्रूरता पर कार्रवाई को लेकर कहा है कि वास्तव में तब तक कुछ नहीं होता है, जब तक मामला ट्विटर पर ट्रेंड न हो। उन्होंने कहा, '(सोशल मीडिया पर) हंगामे के बाद एक यूट्यूबर को पशु क्रूरता के आरोप में गिरफ्तार किया गया।'

सुशांत सिंह राजपूत की पुण्यतिथि से पहले अली गोनी ने किया पोस्ट, कहा- 'एक दिन भी ऐसा नहीं गया जब...'

सुशांत सिंह राजपूत के निधन को एक साल होने वाले हैं लेकिन हर दिन उनके फैंस उन्हें याद करते हैं और सोशल मीडिया पर ट्रेंड चलाते हैं। उनकी पुण्यतिथि से पहले कई हैशटैग से ट्वीट्स किए जा रहे हैं। इस बीच अभिनेता अली गोनी ने सुशांत के फैंस की तारीफ की है।

सुशांत के लिए अली गोनी का पोस्ट अली गोनी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। इंस्टा स्टोरी पर उन्होंने लिखा- 'करीब एक साल होने जा रहा है जब सुशांत सिंह राजपूत का निधन हुआ था लेकिन आज तक एक

भी दिन ऐसा नहीं बीता जब प्रशंसकों ने उनके नाम का ट्विटर पर ट्रेंड ना चलाया हो।' अली आगे लिखते हैं, 'ये कमाया था सुशांत ने।' 'बिग बॉस' से बढ़ी अली गोनी की पॉपुलैरिटी

अली गोनी 'बिग बॉस 14' का हिस्सा रहे थे। वो शो में जैस्मिन को सपोर्ट करने पहुंचे थे। हालांकि अपने खेल से उन्होंने दर्शकों का दिल जीता और फाइनल तक पहुंचे। पिछले दिनों अली गोनी और जैस्मिन का म्यूजिक वीडियो 'तू भी सताया जाएगा' रिलीज किया गया। इसे फैंस ने काफी पसंद किया।

बीते साल सुशांत का निधन

सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून 2020 को दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनके निधन से हर कोई हैरान रह गया था। वहीं सुशांत के पिता ने उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती पर गंभीर आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। जैसे जैसे इस मामले में जांच होती गई इसमें ड्रग्स एंगल सामने आया। नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो ने इस मामले में रिया चक्रवर्ती, उनके भाई शौविक चक्रवर्ती सहित बॉलीवुड की कई जानी मानी हस्तियों से पूछताछ की थी।

किसी से कम नहीं हैं मन्नारा

मुंबई, साउथ सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा बॉलीवुड फिल्म 'जिद' में अपने हुस्न और अदाकारी का जलवा बिखेर चुकी हैं। हालांकि मन्नारा अभी अपनी कजिन सिस्टर यानी पूर्व विश्व सुंदरी व बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जितनी कामयाब नहीं हुई हैं लेकिन खूबसूरती और ग्लैमर के मामले में वह उनसे बिलकुल भी कम नहीं हैं। २०१४ में आई हिंदी फिल्म 'जिद' के बाद उन्हें बॉलीवुड में मौका तो नहीं मिला लेकिन साउथ की फिल्म इंडस्ट्री में वह जाना-पहचाना नाम बन गई हैं।

माधुरी को आई यश जी की याद

मुंबई, दिवंगत निर्देशक यश चोपड़ा को रोमांस को पर्दे पर उतारने वाला जादूगर माना जाता था। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को करियर की बुलंदियों पर पहुंचाने में यश राज बैनर की फिल्मों का बड़ा योगदान रहा। माधुरी ने यश चोपड़ा को बेहद प्रगतिशील निर्देशक बताया है। उन्होंने कहा, 'एक चीज जो उनके बारे में अच्छी लगती थी, वह यह है कि वह कलाकारों को उनका काम करने की आजादी देते थे।' उन्होंने आगे कहा, 'एक्टिंग को लेकर निर्देश नहीं देते थे। वह एक रूपरेखा बता देते थे और एक्टर्स पर छोड़ देते थे।'

फिल्म 'इंदु की जवानी' और 'देवी' के प्रोड्यूसर रेयान स्टीफन का निधन

बॉलीवुड फिल्म प्रोड्यूसर-डायरेक्टर रेयान स्टीफन का निधन हो गया है। हाल ही में वह कोविड-19 से संक्रमित पाए गये थे। रेयान स्टीफन कई सालों तक फिल्म निर्माता करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस से भी जुड़े थे। रेयान हाल ही में रिलीज हुए कियारा आडवानी की फिल्म 'इंदु की जवानी' और काजोल, श्रुति हासन, और नेहा धूपा की शॉर्ट फिल्म 'देवी' की वजह से चर्चा में थे। रेयान स्टीफन ने निधन की जानकारी वेब सीरिज 'द फैमिली मैन' के राइटर और प्रोड्यूसर सुपर्ण एस वर्मा ने ट्वीट करते हुए दी है। प्रोड्यूसर सुपर्ण ने रेयान की एक फोटो शेयर करते हुए ट्विटर पर शोक व्यक्त करते हुए लिखा, " एक निर्दयी दुनिया में आपकी करुणा के लिए धन्यवाद। मुझे खुशी है कि हमने कुछ कहानियों पर एक साथ काम किया, जिसको लिखने का आनंद आपकी वजह से था। आप अपने पीछे बहुत से लोग छोड़ गये जो आपसे प्यार करते हैं.. भगवान आपका भला करे। "

मुनमुन दत्ता की बढ़ीं मुश्किलें, एक और FIR दर्ज

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की बबीता जी उर्फ मुनमुन दत्ता की मुश्किलें खत्म होती नहीं दिख रही हैं। मुनमुन दत्ता पर वाल्मिकी समाज के अपमान का आरोप लगा है। उनके खिलाफ जाति विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। मुश्किल में मुनमुन दत्ता मामले में मुंबई पुलिस ने बताया कि अभिनेत्री के खिलाफ अत्याचार प्रतिबंध एक्ट (एट्रोसिटीज एक्ट) और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। बता दें कि इससे पहले हरियाणा और मध्य प्रदेश में भी मुनमुन दत्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। क्या है पूरा मामला : दरअसल कुछ दिनों पहले मुनमुन दत्ता ने एक वीडियो में जाति विशेष के बारे में टिप्पणी की थी। जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनका वो वीडियो वायरल हो गया और कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अभिनेत्री के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया और उनकी गिरफ्तारी की मांग की।

अभिनेत्री ने मांगी माफी

मामला तूल पकड़ने के साथ ही मुनमुन दत्ता ने सोशल मीडिया पर माफी मांग ली थी। उन्होंने एक नोट में लिखा था, 'यह एक वीडियो के संदर्भ में है जिसे मैंने कल पोस्ट किया था। जहां मेरे द्वारा इस्तेमाल किए गए एक शब्द का गलत अर्थ लगाया गया है। यह अपमान, धमकी या किसी की भावनाओं को चोट पहुंचाने के इरादे से कभी नहीं कहा गया था। भाषा की सीमित जानकारी के कारण मुझे उस शब्द के अर्थ के बारे में गलत जानकारी थी।'

पर्यावरण के प्रति जागरुक आंतरिक डिजाइन की विशिष्टता

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

सामग्री और संसाधनों का इष्टतम उपयोग प्रदान करते हुए अच्छी तरह से गठित पर्यावरण जागरूक डिजाइन समाधान प्रदान करने में सक्षम पेशेवरों की बढ़ती आवश्यकता है जो व्यावहारिक, सौंदर्यपूर्ण रूप से प्रसन्न, कुशल पारिस्थितिक और आर्थिक रूप से कुशल हैं।

एक पर्यावरण के प्रति जागरूक डिजाइन अपने मूल में रहने वालों की भलाई सुनिश्चित करते हुए हितधारक की जरूरतों को पूरा करता है। यह एक अनुसंधान आधारित जिम्मेदार अभ्यास है जो पर्यावरण की चिंताओं को दूर करता है और इष्टतम लाभ के लिए प्रत्येक संदर्भ की क्षमता का उपयोग करता है।

पर्यावरण के प्रति जागरूक अभ्यास के अनुसरण के लिए आवश्यक उच्च स्तर की व्यावसायिकता के लिए मजबूत प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। इसके लिए आवश्यक मूर्त और अमूर्त कौशल के लिए सामग्री, उनके संरचना गुणों, उत्पादन प्रक्रिया और जीवन चक्र की गहन समझ की आवश्यकता होती है। जिम्मेदार ईसीडी अभ्यास ऐसे समाधान प्रदान करता है जो गुणवत्ता के उच्च धीरज को सुनिश्चित करते हुए टिकाऊ, कम खर्चीले, नवीन हैं और लोकप्रिय वाणिज्यिक प्रथाओं की तुलना में अधिक

कुशल, पाए जाते हैं।

ईसीडी अभ्यास का मंत्र 'कम के साथ अधिक' की सेवा के इर्द-गिर्द घूमता है। अभ्यास डिजाइन हस्तक्षेपों के लिए एक न्यूनतम दृष्टिकोण का पालन करता है, जिससे 'अव्यवस्था मुक्त' संगठन सुनिश्चित होता है जो 'आंखों को प्रसन्न' करता है, जिससे 'विशालता' की आभा पैदा होती है। ईसीडी अभ्यास 'उपयोगकर्ता केंद्रित अपेक्षाओं' के लिए 'सहानुभूतिपूर्ण' है। प्रत्येक परियोजना अद्वितीय है और उपयोगकर्ताओं की जरूरतों और अपेक्षाओं का प्रतिबिंब है।

शोधों ने निवासियों की समग्र भलाई और उत्पादकता में सुधार करने की क्षमता में सुधार के लिए प्राकृतिक पट्टियों से जुड़ने के कई फायदे साबित किए हैं। 'कुछ स्पर्शनीय और घ्राण संकेतों का उपयोग आराम की भावना प्रदान करने और निवासियों को शांत करने में सक्षम है'। एक ईसीडी परियोजना एक व्यापक पर्यावरण जागरूक डिजाइन आधारित सोच के रूप में 'सामग्री और परिष्करण पैलेट' की खोज करके द्विपक्षीय एकता को प्रदर्शित करती है। अधिक जानकारी के लिए आप संस्थान की वेबसाइट tsap.mumbai.in पर जा सकते हैंI (तस्वीर में- एलडीए-पुणे द्वारा परियोजना)

यास के त्रास से पीडितों को मोरारीबापू द्वारा पांच लाख की सहाय

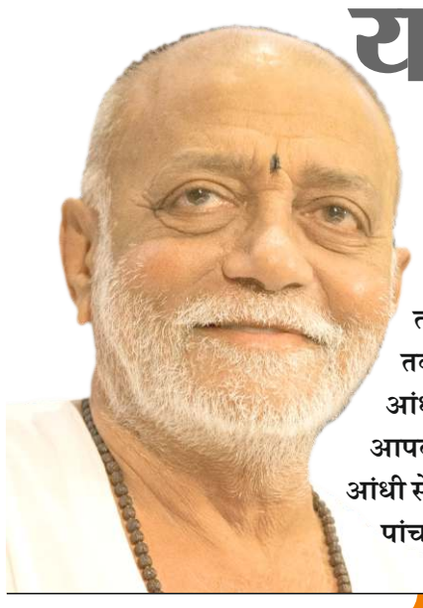

कोरोना के कहर की दूसरी लहर ने राष्ट्र को हिला कर रख दिया था। उसमें थोड़ी बहुत राहत दिखाई भी दी, तभी ताऊ ते तूफान की वजह से गुजरात में तबाही मच गई। प्रजा और प्रशासन इस हादसे से अभी उभरे नहीं है, तब यास नामक तूफान ने त्रास फैला दिया। उडीसा और पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों को इस आकाशी आंधीने हिला के रख दिया है।राष्ट्र, राज्य या किसी भी गांव, शहर या बस्ती में कोई कुदरती या मानव सर्जित आपदा निर्मित होती है, तब पूज्य मोरारीबापू पीड़ितो की यथाशक्ति सहायता के लिए आगे आते हैं। इस बार भी आंधी से परेशान आफत ग्रस्त लोगों के लिए पूज्य बापूने चित्रकूट धाम के हनुमानजी महाराज की प्रसादी के रूप में पांच लाख की अर्थसहाय घोषित की है।कोलकाता के व्यासपीठ के फ्लावर द्वारा यह सहायता आफत ग्रस्तों को पहुंचाई जाएगी।

खीमनाथ कृपा ही केवलम्।

महुवा के महादेव मंदिर में सेवा यज्ञ का आरंभ हुआ

गुजरात के भावनगर जिले के महुवा शहर के मध्य में खीमनाथ महादेव का पुरातन मंदिर है। जिस का संचालन महंत श्री नटूबापू और उसके गादी वारस प्रसिद्ध राम कथाकार श्री भगतबापू कर रहे हैं। वर्तमान समय में व्याप्त कोरोना महामारी, और बाद में आए ताऊ ते तूफान की वजह से बहुत सारे परिवार निराधार एवं बर्बाद हो गए हैं। दीन-हीन के लिए तो आज ऊपर आकाश और नीचे धरती के बीच मानो मौत मंडरा रही है। ऐसे विपरीत काल में महुवा की संस्कारीता और जमीर को उजागर करते हुए, साधु-संत, उद्योगपति, बड़े व्यापारी एवं पत्रकार आदि सब ने अपने अपने स्थान से यथायोग्य जनसेवा का स्वयंभू यज्ञ आरंभ किया है।गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए "खीमनाथ कृपा ही केवलम्" सूत्र को आत्मसात करते हुए, भगत बापू ने भोजन-प्रसाद वितरण द्वारा जन सेवा का शुभारंभ किया है। मुंबई में स्थित महुवा के श्रेष्ठी श्री हरेश भाई संघवी (वीणा डेवलपर्स) की उदार सखावत से "श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर अन्नक्षेत्र" के माध्यम से पीड़ित परिवारों के घर पर भोजन पहुंचाया जा रहा है। मंदिर के परिसर में ही, मंदिर के सेवाभावी भक्त लोग और स्वयंसेवी भाई बहनों द्वारा रोजाना ७५० जितने पीड़ित परिवारों के घर पर प्रसाद पहुंचाया जाता है। उपरांत मंदिर में चल रहे अन्य क्षेत्र में रोजाना सौ से डेढ़ सौ निराधार, दिव्यांग और अशक्त दरिद्र नारायण प्रभु प्रसाद पा रहे हैं।उल्लेखनीय है कि श्री हरेश संघवी मातृभूमि महुवा की किसी भी प्रकार की सेवा के लिए सदा उत्सुक रहते हैं। आप नि:स्वार्थ भाव से अपनी संपत्ति का सदुपयोग करके प्रसन्नता का अनुभव करते हैं।एक और खास बात यह है कि भगत बापू गुजरात के प्रसिद्ध राम कथाकार है, जिन्होंने आज तक ३३६ राम कथा गाई है।आपके अनुयाई समुदाय द्वारा आप सूरत में भी धर्म सत्संग के साथ समाज सेवा के कई प्रकल्प चला रहे है।

मुंबई में टीकाकरण की रफ्तार

45+ उम्र के 12% लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज लगी, मुंबई की कुल आबादी के सिर्फ 5.79% का वैक्सीनेशन हुआ पूरा

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 45+ उम्र के 39 लाख 02 हजार 233 लोगों में से 12.42% लोगों को कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज दी गई है। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 27 मई तक मुंबई में 45+ के 4 लाख 84 हजार 831 लोगों ने दोनों डोज लगवाई थी। इसके अलावा 1 लाख 27 हजार 829 हेल्थ केयर वर्कर्स और 1 लाख 40 हजार 505 फ्रंट लाइन वर्कर्स का भी दोनों डोज का वैक्सीनेशन पूरा हो गया है।

मुंबई की मध्य वार्षिक जनसंख्या (2021) 1 करोड़ 30 लाख 7 हजार 446 होने का अंदाज है। इसमें से सिर्फ 5.79% यानी 7 लाख 53 हजार 165 लोगों को कोरोना की दोनों डोज अभी तक दी गई है। हालांकि, पहला और दूसरा डोज मिलाकर मुंबई के कुल 31 लाख 55 हजार 320 लोगों का वैक्सीनेशन वैक्सीनेशन हुआ है। इसी तरह पूरे महाराष्ट्र में 45+ उम्र के 29 लाख 54 हजार 824 लोगों यानी करीब 8% लोगों का दोनों वैक्सीनेशन हुआ है। जबकि 45+ के 34.36% यानी 1 करोड़ 32 लाख 76 हजार 978 लोगों को पहली डोज दी गई है।

महाराष्ट्र में मृत्युदर घटकर 1.76% हुई

महाराष्ट्र में 1 मई से 26 मई के बीच रोजाना औसतन 40 हजार 210 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए, परंतु राहत की बात यह है कि राज्य में औसत मृत्यु दर घट कर अब 1.76% हो गई है। महाराष्ट्र में 31 जुलाई 20 को कोरोना संक्रमित व्यक्ति की मृत्युदर 3.55% थी और इस साल के शुरुआती महीने की 31 जनवरी 21 को 2.52% डेथ रेट था।

खत्म नहीं हुई सरकार की चिंता

राज्य में कोरोना संक्रमित मरीज के ठीक होने की दर 31 जुलाई 20 को 58.77% हुआ करता था जो 26 मई 21 को बढ़कर 92.76% हो गया है। इसके बावजूद महाराष्ट्र सरकार की चिंता खत्म नहीं हुई है, क्योंकि कोरोना की पहली लहर के वक्त राज्य में एक्टिव कोरोना मरीजों की सर्वाधिक संख्या 3 लाख 1 हजार 752 थी, मगर 27 मई 21 को राज्य में पिछली लहर से करीब 4.40% अधिक यानी 3 लाख 15 हजार 042 एक्टिव कोविड पेशंट थे। हालांकि, 27 मई को सक्रिय कोरोना मरीजों की संख्या कम होकर 3 लाख 01 हजार 041 हो गई।

अध्यात्मा का सार है जीव सेवा - सीताराम बापू

शिव कुंज आश्रम, अधेवाडा में प्रकटी सेवा की ज्योत

पिछले एक-डेढ़ साल से विश्व, राष्ट्र एवं राज्य, महामारी के सामने जूझ रहे हैं। ऐसे कठिन काल में साधु- संत अपने अपने स्थान से जनसेवा के यज्ञ में आहुति दे रहे हैं। शिव कुंज आश्रम, अधेवाडा (भावनगर) के संत श्री सीताराम बापू ने बताया कि - "साधु-संत विश्वमंगल के लिए सदैव प्रार्थना रत रहते हैं। हरि नाम का स्मरण तो नित्य निरंतर होता ही रहता है। लेकिन साथ-साथ आपत्ति काल में यथाशक्ति समाज सेवा करने में भी साधु पुरुष अग्रसर रहते हैं।" कोरोना काल में शिव कुंज आश्रम के माध्यम से सेवा की ज्योत प्रकट हुई है। आश्रम में चलते अन्न क्षेत्र में भोजन प्रसाद व्यवस्था का लाभ जरूरतमंद लोग पा रहे हैं।सीताराम बापू ने गोपनाथ ट्रस्ट के माध्यम से, गोपनाथ से महुवा तक की पट्टी में आफतग्रस्त परिवारों के लिए १००० राशन किट का वितरण करवाया था। कोरोना की दूसरी लहर में वैद्य श्री महेंद्रसिंह सरवैया को लोगों की निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा के लिए ३०००० रुपयों की अर्थसहाय्य प्रदान की गई। अभी कुछ दिन पहले- गुजरात को तबाह करने वाले आंधी- तूफान की वजह से बेघर हुए लोगों के लिए आश्रम में भोजन-प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। सीताराम बापू ने बताया कि-"संपन्न लोग के पास से लेकर, वंचितों के बीच बांट देना ही साधु-कर्म है। जप, तप, यज्ञ, दान आदि साधु के नित्य कर्म है। पर जनसेवा सबसे बड़ा यज्ञ है। पीड़ितों के आंसू पोंछना, भूखे को भोजन, प्यासे को पानी, दर्दी को दवाइयां और वंचितों को सहायता देना, सेवा यज्ञ की समिधा है।महामारी और प्राकृतिक आपदा से बचाव के लिए हरी नाम का स्मरण बढ़ाना चाहिए।"ज्ञाति, जाति, कोम, धर्म के भेदभाव किए बिना, सभी पीड़ित-वंचित के प्रति संवेदनशील बनने के लिए बापू ने सब को अपील की है।

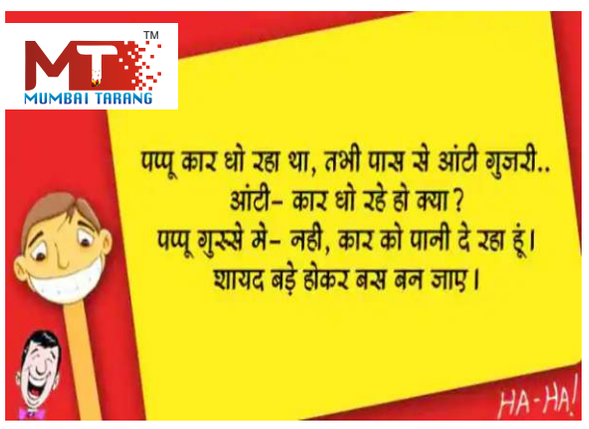

KAANT FOODS®

Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.

20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

॥ શ્રી ગણેશાય નમઃ ॥ ॥ શ્રીપા ॥ ॥ જય ખોડીયાર માં ॥

Chintan Jiyani
99040 77991

JKC

Kishan Kyada
99040 77990

Jay Kuber
CONSULTANCY

- PERSONAL LOAN
- CONSUMER LOAN
- HOME LOAN
- MORTGAGE LOAN
- CAR LOAN
- MUDRA LOAN
- INSURANCE
- PANCARD

jaykuber1997@gmail.com

D-2080, 2nd Floor, Central Bazar, opp Varachha Police Station, Minibazar, Varachha, Surat

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।